छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, शनिवार 07 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-129 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

लोकसभा स्पीकर ने आगा रुहुल्लाह का इस्तीफा किया मंजूर, खाली हुई श्रीनगर की सीट



नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने श्रीनगर के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। रुहुल्लाह ने पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेदों के चलते 3 नवंबर को अपनी संसदीय सीट और नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है, 'श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के निर्वाचित सदस्य आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने लोकसभा से इस्तीफा दे दिया है। अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा 3 नवंबर, 2026 से प्रभावी मानते हुए स्वीकार कर लिया है'। दरअसल, नेशनल कॉन्फ्रेंसनेतृत्व के साथ चल रहे।

राहत मित्र- भारत-म्यांमार की सेनाओं का पहला संयुक्त अभ्यास, आपदा में मिलकर बचाएंगे लोगों की जान



नई दिल्ली। तमिलनाडु के चेन्नई में भारत और म्यांमार की तीनों सेनाओं का पहला संयुक्त अभ्यास 'राहत मित्र' शुरू हुआ है। इस अभ्यास में दोनों देशों के 300 से ज्यादा सैन्यकर्मी हिस्सा ले रहे हैं। इसका मकसद प्राकृतिक आपदा या किसी बड़े संकट के दौरान मिलकर राहत और बचाव अभियान चलाने की तैयारियों को मजबूत करना है। इसे भारत और म्यांमार के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक नई शुरुआत माना जा रहा है। दोनों देशों की थलसेना, नौसेना और वायुसेना ने पहली बार संयुक्त रूप से मानवीय सहायता और आपदा राहत अभ्यास शुरू किया है। इस अभ्यास का नाम 'राहत मित्र' रखा गया है।

राजनीतिक व्यंग्य के नाम पर गरिमा को ठेस पहुंचाना गलत



नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आज शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी-द्ध से बनाए गए आपत्तिजनक वीडियो और पोस्ट को लेकर अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राजनीतिक व्यंग्य के नाम पर किसी भी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना स्वीकार्य नहीं होगा। साथ ही कोर्ट ने सभी विवादित यूआरएल को हटाने का भी आदेश दिया।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लेकर सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए बनाए गए आपत्तिजनक वीडियो और पोस्ट के मामले में हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत दी है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली यूनिट और आम आदमी पार्टी के आधिकारिक ङ्क हैंडल के साथ-साथ फेसबुक पर एक शराब विक्रेता के रूप में दिखाया गया था।

गोकुल में चार सरकारी संचालकों की एंट्री, क्या सतेज पाटिल का सियासी गणित बिगड़ेगा



नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने गोकुल दूध संघ में चार मनोनीत संचालकों को वोटिंग अधिकार देने का अध्यादेश जारी किया। सतेज पाटिल ने सरकार के फैसले का विरोध किया और आंदोलन की चेतावनी दी है।गोकुल दूध संघ अध्यक्ष चुनाव पर राजनीति गरमाई हुई है। महाराष्ट्र सरकार ने कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ यानी गोकुल को लेकर नया अध्यादेश जारी कर दिया है। इस अध्यादेश के तहत सरकार गोकुल में चार नए शासन नियुक्त संचालकों की नियुक्ति करेगी। इन चारों संचालकों को मतदान यानी वोटिंग का अधिकार भी दिया जाएगा।

प्रदर्शन से नुकसान झेल रहे व्यापारियों के लिए धनतेरस में बरसा धन, गदगद हुए दिल्ली के व्यापारी

धनतेरस के दिन सिद्धि विनायक श्री गणेश जी , धन की देवी श्री महालक्ष्मी जी तथा श्री कुबेर जी की पूजा होती है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



धनतेरस पर दिल्ली में 20 हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। CTI के मुताबिक, सोना-चांदी, बर्तन, मोबाइल और गाड़ियों की बिक्री से बाजारों में रौनक लौटी है।धनतेरस का त्यौहार व्यापारियों के लिए माल की बिक्री का एक बड़ा दिन होता है। व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि धनतेरस के मौक़े पर दिल्ली में लगभग 20 हजार करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। दिल्ली में 1 अक्टूबर से 1 नवंबर का समय रैलियों, धरन प्रदर्शना का रहा था, जिसक कारण दिल्ली के व्यापार को लगभग 14 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। दिल्ली के व्यापारियों को धनतेरस और दीपावली की बंपर खरीददारी की उम्मीद है जिससे कि वो पिछले दिनों हुए नुकसान से उबर सकें।धनतेरस के दिन सिद्धि विनायक श्री गणेश जी , धन की देवी श्री महालक्ष्मी जी तथा श्री कुबेर जी की पूजा होती है। इस दिन नई वस्तु खरीदना शुभ माना जाता है। बाजारों में सोने-चांदी के आभूषण तथा अन्य वस्तुएं, सभी प्रकार के बर्तन, रसोई का सामान, वाहन, कपड़े एवं रेडीमेड गारमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली का सामान एवं उपकरण, व्यापार करने के उपकरण जैस कंप्यूटर एवं कंप्यूटर से जुड़ उपकरण, मोबाइल , बही खाते, फर्नीचर, एकाउंटिंग का अन्य सामान आदि की विशेष रूप से खरीददारी हुई।व्यापारियों ने सोने-चांदी, डायमंड आदि के नये डिइन के गहने एवं आभूषण सहित अन्य वस्तुओं का प्रचुर मात्रा में स्टॉक रखा हुआ है। इसके साथ ही इस वर्ष आर्टिफिशियल ज्वेलरी की भी बड़ी मांग बाजारों में दिखाई दे रही है। वहीं सोने-चांदी के सिक्के, नोट एवं मूर्तियां भी धनतेरस पर बड़ी मात्रा में खरीदे गये।बृजेश गोयल ने बताया कि दिल्ली में सामानों की बिक्री के बाजारों में अच्छी खासी भीड़ उमड़ी।

समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया

कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मंजूरी पर मुख्यमंत्री साय से मिलकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने जताया आभार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा को मंत्रिपरिषद की मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फेडरेशन ने मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की ओर से आयोजित किए जाने वाले अभिनंदन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया।फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक श्री कमल वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों की लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा से विशेष रूप से गंभीर बीमारी और आकस्मिक उपचार की स्थिति में कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी। उपचार के लिए पहले बड़ी राशि की व्यवस्था करने और बाद में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया से गुजरने जैसी कठिनाइयां कम होंगी। इससे लाखों शासकीय सेवकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा मिल सकेगी। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर श्री पंकज पाण्डेय, श्री सत्येंद्र देवांगन, श्री अश्वनी चेलक, श्री जय कुमार साहू, श्री पीताम्बर पटेल, श्री आलोक मिश्रा एवं श्री संतोष कुमार वर्मा सहित फेडरेशन के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

पंजाब में यात्रियों से भरी चलती ट्रेन में आग लगी

4 डिब्बे जले, सवारियों ने छलांग लगाई; पटियाला में रोकी अमृतसर-बंगाल कर्मभूमि एक्सप्रेस, 8 ट्रेनें डायवर्ट



एजेंसी ➤ पटियाला/लुधियाना

पंजाब में शुक्रवार दोपहर चलती कर्मभूमि एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। आग इंजन के साथ लगे जनरल डिब्बे में भड़की और देखते ही देखते ट्रेन के 4 जनरल कोच इसकी चपेट में आ गए। आग की चपेट में आए डिब्बों में यात्री सवार थे। इससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। ट्रेन रुकते ही यात्री जान बचाने के लिए नीचे उतरकर खेतों की ओर भागने लगे। इस दौरान कई यात्रियों ने ट्रेन से छलांग भी लगा दी।घटना फतेहगढ़ साहिब के साधूगढ़ और पटियाला के सराय बंजारा रेलवे स्टेशन के बीच हुई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों को अलर्ट किया गया।रेलवे के अनुसार, ट्रेन नंबर 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही थी।

रेलवे ने यात्रियों के लिए 2 स्पेशल ट्रेनें चलाईं

अंबाला मंडल के सीनियर डीसीएम यशनजीत सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी। हादसे के बाद यात्रियों से करीब 500 मीटर दूर स्थित नजदीकी स्टेशन पहुंचने को कहा गया।



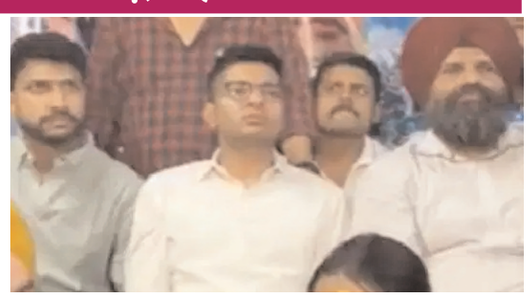
अमिताभ बच्चन का बंगला उड़ाने की धमकी

मुंबई। अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला है। इसके बाद मुंबई में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। ईमेल में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज , वर्ली रेसकोर्स और बॉम्बे हाईकोर्ट को भी उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।इससे पहले 23 अक्टूबर को मुंबई की मेयर रितु तावड़े को एक धमकी भरा ई-मेल आया था। इसमें भी बच्चन के बंगले को बम से उड़ाने की बात लिखी गई थी।23 अक्टूबर को भेजे गए ईमेल में अमिताभ बच्चन और सिंगर दिलजीत दोसांझ को मारने की धमकी दी गई थी।अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इन सभी जगहों पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया।हालांकि, पुलिस को कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि साइबर पुलिस की टीम ईमेल या संदेश भेजने वाले व्यक्ति के द्ध्क एड्रेस का पता लगा रही है।

जन्मदिन पर आधी रात अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर भारी बवाल

भाजपा- कार्यकर्ता भिड़े; कई घायल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन पर कोलकाता स्थित उनके आवास के बाहर हिंसक झड़प हुई, जिसमें मर्थकों ने एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगाया। इस दौरान कई लोग घायल हुए। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है।पश्चिम बंगाल में एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच तनाव की खबर सामने आ रही है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन पर कोलकाता के कालीघाट स्थित उनके आवास के बाहर आधी रात को जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान टीएमसी और बीजेपी समर्थकों के बीच झड़प हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने के आरोप लगाए हैं। खबर है कि इस दौरान कई लोग घायल भी हुए हैं। हालात को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

अभिषेक बनर्जी के आवास पर हमले का आरोप

आरोप है कि बैनर और पोस्टर लिए हुए बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कालीघाट में अभिषेक बनर्जी के आवास पर हमला किया और घर के अंदर घुसने की कोशिश की। यह घर पटुआ पाड़ा इलाके में 'अभिषेक हाईवेयर' के ऊपर स्थित है, जो काली की मूर्तियों की बिक्री के लिए जाना जाता है। अभिषेक बनर्जी के समर्थकों का आरोप है कि बीजेपी समर्थित कुछऔर इसके बाद उन पर हमला कर दिया।



पीएम मोदी से मिले क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली।इस मुलाकात में सूर्या ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत का गोल्ड मेडल पहना हुआ था। प्रधानमंत्री ने मेडल को हाथ में लेकर भी देखा। मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर शेयर किए।प्रधानमंत्री ने सूर्या के परिवार की एक बच्ची से भजन सुना। इसके बाद उन्होंने पोस्ट में लिखा, दीपावली के माहौल में राम और सरयू का आगमन हुआ है। इससे दीपावली का वातावरण और भी पावन एवं दिव्य हो गया है। राम और सरयू सूर्यकुमार की साली दीक्षा के बच्चे हैं।बच्ची सरयू भजन सुना रही थीं, इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ताली बजाकर उनका उत्साह बढ़ाते नजर आए।बच्ची सरयू भजन सुना रही थीं, इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ताली बजाकर उनका उत्साह बढ़ाते नजर आए।

चिप से लेकर इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों तक भारत होगा आत्मनिर्भर

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लॉन्च किया 'सेमीकॉन 2.0' पोर्टल,

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



भारत के सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज शुक्रवार को 'सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम' के तहत पिलर 2, 3 और 4 के लिए 'सेमीकॉन 2.0- वेब एप्लिकेशन पोर्टल' लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्होंने 'इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम' के तहत 12 स्वीकृत आवेदकों की भी घोषणा की। दरअसल, सरकार देश में एक मजबूत और लचीला सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम स्थापित करने के लिए विभिन्न रणनीतिक पहलों और नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से ठोस प्रयास कर रही है। अपनी स्थापना के कुछ ही सालों के भीतर ISM ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास को गति दी है। 'सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम' (सेमीकॉन 1.0) के पहले चरण को सफलतापूर्वक लागू करते हुए छह राज्यों में 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनमें कुल 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ। इन 12 परियोजनाओं में से 5 परियोजनाओं में अक्टूबर 2026 तक व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू हो चुका है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (द्धस्रू) के तहत 1,27,500 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ 'सेमीकॉन 2.0' को मंजूरी दी है। भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा के अगले चरण के रूप में 'सेमीकॉन 2.0' छह रणनीतिक पिलरों पर केंद्रित है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने क्या कहा ?

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण यात्रा अब केवल असेंबली (जोड़-तोड़) से आगे बढ़कर एक व्यापक घरेलू वैल्यू चेन विकसित करने की दिशा में बढ़ गई है। इसमें मॉड्यूल, कंपोनेंट, सामग्री और उन्नत तकनीकें शामिल हैं। उन्होंने बैटरी सेल, कॉपर फॉयल, कॉपर-क्लैड लैमिनेट और हाई-एंड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड क्षेत्र में बढ़ती क्षमताओं का जिक्र किया। (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

धान खरीदी की निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित

कोरबा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने तथा खरीदी केंद्रों में अवैध धान की आवक और धान के पुनर्चक्रण पर निगरानी रखने के लिए जिला प्रशासन ने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया है। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत द्वारा 4 नवंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार जिला एवं तहसील स्तर पर जांच समितियों और उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है।कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर कटघोरा श्री ओंकार यादव मो.नं. 9826915486 को बनाया गया है। सेंटर में सहायक प्रोग्रामर श्री शिवानंद राठौर (नागरिक आपूर्ति निगम, कोरबा), मो.नं. 7999714099 श्रीमती प्राची चंद्रा मो.नं. 7999406910 और श्रीमती रेचल प्रधान (खाद्य शाखा, कोरबा) मो.नं. 9098679001 तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी श्री पूर्णेन्द कमलसेन (जिला विपणन कार्यालय से खाद्य शाखा में संलग्न), श्री रजनीश शुक्ला और श्रीमती अनीता लहरे (जिला विपणन कार्यालय) की ड्यूटी लगाई गई है।केंद्रों में धान खरीदी की निगरानी और निरीक्षण के लिए गठित दलों से प्राप्त रिपोर्ट कलेक्टर को भेजी जाएगी। धान खरीदी से संबंधित शिकायत या सुझाव नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नंबर 9691901259 पर दर्ज कराए जा सकते हैं। प्राप्त शिकायतों और सुझावों की जानकारी खाद्य शाखा को भेजी जाएगी, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

आउटरीच वर्कर संविदा पद के लिए पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

बीजापुर। कार्यालय कलेक्टर, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बीजापुर द्वारा मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई बीजापुर में आउटरीच वर्कर के 01 संविदा पद पर भर्ती हेतु पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। प्रकाशित सूची के संबंध में अभ्यर्थियों से 23 नवम्बर 2026 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी विज्ञापन क्रमांक श्वस्अक्र/3303/2026 दिनांक 16 अक्टूबर 2026 के तहत उक्त पद के लिए 30 अक्टूबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग एवं छंटनी के उपरांत पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची दावा-आपत्ति हेतु प्रकाशित की गई है।अभ्यर्थी सूची के संबंध में अपनी दावा-आपत्ति '23 नवम्बर 2026 को सायं 5:30 बजे तक' कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के माध्यम से कार्यालय कलेक्टर, महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रथम तल, बीजापुर में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत छुईहा और चिगरिया में शिविर आयोजित

महासमुंद। वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत जिले के विकासखंड बागबाहरा के ग्राम पंचायत छुईहा एवं चिगरिया में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 150 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान ग्रामीणों को विभिन्न बैंकिंग सेवाओं, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, वित्तीय जागरूकता तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक, रायपुर के वित्तीय समावेशन एवं विकास विभाग के एलडीओ श्री क्षितिज वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में ग्रामीणों से वित्तीय समावेशन अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित इस अभियान के तहत देश की सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत स्तर पर कम से कम एक शिविर आयोजित किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक बैंकिंग सुविधाओं एवं शासकीय वित्तीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक श्री प्रकाश चंद्र मेहेर तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, तेंदुकोना के प्रबंधक श्री पुनीथ शर्मा ने ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर ग्राम डोमनापारा में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, ग्रामीणों को दी गई निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी

अधिकारों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

एक सत बुलेटिन ➤ मनेंद्रगढ

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 6 नवंबर 2026 को ग्राम पंचायत डोमनापारा में विधिक साक्षरता एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मनेंद्रगढ़ थाना क्षेत्र में कार्यरत अधिकार मित्र अजय विश्वकर्मा एवं थाना झगड़ाखाड़ में कार्यरत अंजनी यादव द्वारा संयुक्त रूप से चौपाल लगाकर ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी पत्र क्रमांक 1318 के परिपालन में आयोजित इस शिविर में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती मानमती सिंह उपस्थित रहीं। शिविर के दौरान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ह्वस्रू) एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (स्स्रू) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। जागृति



योजना एवं संवाद के माध्यम से ग्रामीणों को कानूनी प्रावधानों, नागरिक अधिकारों तथा जरूरतमंद लोगों को मिलने वाली विधिक सुविधाओं से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में बताया गया। ग्रामीणों को समझाया गया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय पाने के अधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है।शिविर में काफी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और उन्होंने कानूनी अधिकारों एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। हालांकि त्योहारों के सीजन और धान कटाई के व्यस्त समय के कारण अपेक्षाकृत कम ग्रामीण शिविर में पहुंच सके, लेकिन उपस्थित लोगों ने अपना समय निकालकर इस जागरूकता कार्यक्रम का लाभ उठाया।इस तरह के शिविरों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक कानूनी जानकारी पहुंचाना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा न्याय तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करना है।

धान खरीदी की तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, किसानों की सुविधा सुनिश्चित करें: कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में कृषि, पशुपालन एवं खाद्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा, लंबित बैंक प्रकरणों और केसीसी के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश

पीएम किसान योजना में 38,129 किसानों का पंजीयन, फसल बीमा के 35,499 आवेदन, धान खरीदी के लिए बारदानों की उपलब्धता पर विशेष जोर

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित जनशिकायतों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों और आम नागरिकों से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आगामी धान खरीदी को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने तथा उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनशिकायतों का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें





कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, प्रधानमंत्री पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन, पारस पोर्टल एवं लोक सेवा केंद्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण न करें, बल्कि आवेदकों की समस्याओं का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। सभी लंबित प्रकरणों की जानकारी संबंधित पोर्टल पर समय पर अपडेट करने और निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

किसानों के लंबित बैंक प्रकरणों और केसीसी का शीघ्र निराकरण करें:कृषि एवं पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), बैंक ऋण एवं अन्य लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक और विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि किसानों व पशुपालकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो।पशुपालन विभाग की समीक्षा में बताया गया कि बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 470 तथा वर्ष 2026-27 में 468 हितग्राहियों को लक्ष्य के अनुरूप लाभान्वित किया गया है।

विकसित भारत युवा संसद में गूंजा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का मुद्दा, युवाओं ने रखे विचार



एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल 'मेरा युवा भारत' के तत्वावधान में 4 नवम्बर को शासकीय लाहिड़ी महाविद्यालय चिरमिरी में विकसित भारत युवा संसद 2026-27 का आयोजन किया गया। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर आयोजित युवा संसद में 200 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनावी प्रक्रिया तथा संवैधानिक पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना, नेतृत्व क्षमता और संसदीय परंपराओं की समझ विकसित करना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केरूप में नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेरा युवा भारत के सहायक निदेशक चहल कैलाशिया, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आरती तिवारी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा, मनीष खटीक,अतिथि उपस्थित रहे।

नन्हें वैज्ञानिकों के नवाचार ने मोहा मन, विद्यार्थियों की प्रतिभा को मिला मंच

विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार पांडे ने वैज्ञानिक मॉडलों की सराहना कर बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह, कहा- वैज्ञानिक चेतना और नवाचार से संवरेगा भविष्य

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मक सोच एवं नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी एमसीबी के मार्गदर्शन तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनेंद्रगढ़ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने हुनर, कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार पांडे, सांख्यिकी अधिकारी अनिरुद्ध शुक्ला, एसएमडीसी अध्यक्ष आर.सी. राजवाड़े तथा संस्था के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी बलराज पाल द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार पांडे ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए वैज्ञानिक मॉडलों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना जागृत करना ही ऐसे आयोजनों का प्रमुख उद्देश्य है। जब बच्चे किताबी ज्ञान को प्रयोगों के माध्यम से व्यावहारिक रूप देते हैं, तब वास्तविक नवाचार की शुरुआत



होती है। ऐसे प्रयास विद्यार्थियों की जिज्ञासा को नई दिशा देने के साथ उन्हें कुछ नया सोचने और सीखने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल उन्हें उचित मंच, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की है। विज्ञान प्रदर्शनी जैसे आयोजन बच्चों में तार्किक सोच, अनुसंधान की प्रवृत्ति, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अस्पतालों में मरीजों के परिजनों का सहारा बनी राम रोटी सेवा समिति

प्रतिदिन 500 से 600 लोगों को मिल रहा भोजन

नीरज गुप्ता और हरिकांत कोरी ने वर्ष 2023 में शुरू की थी पहल, कई समाजसेवी गुमनाम रहकर कर रहे सहयोग

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों के लिए अपनों के इलाज की चिंता के साथ-साथ भोजन की व्यवस्था करना भी कई बार मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जरूरतमंद परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में नीरज गुप्ता और हरिकांत कोरी ने राम रोटी सेवा समिति की शुरुआत की। समिति के माध्यम से वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 500 से 600 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।अस्पताल में अपने परिजनों के उपचार के लिए आने वाले लोगों को कई बार आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मरीज की देखभाल में लगे परिजन अपनी भोजन संबंधी जरूरतों पर भी ध्यान नहीं दे पाते। उनकी इसी परेशानी को महसूस करते हुए समिति ने जरूरतमंद लोगों को एक वक्त का भोजन उपलब्ध कराने की पहल की। समिति का उद्देश्य है कि किसी भी परिवार को अपने प्रियजन के इलाज के दौरान भोजन के लिए परेशान न होना पड़े।

नीरज गुप्ता और हरिकांत कोरी द्वारा शुरू की गई यह पहल आज सैकड़ों जरूरतमंद लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रही है। इस सेवा कार्य में अनेक समाजसेवी और सेवाभावी लोग भी जुड़े हुए हैं, जो अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इनमें कई लोग ऐसे हैं जो अपना नाम सार्वजनिक नहीं करना चाहते। उनका मानना है कि दान और सेवा का कार्य बिना किसी प्रचार या प्रसिद्धि की इच्छा के होना चाहिए। कहा भी जाता है कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें मदद करने का भाव हो, लेकिन उसके बदले किसी पहचान या प्रशंसा की अपेक्षा न हो।

समाज के सामूहिक सहयोग से चलती हैं सेवा की संस्थाएं

राम रोटी सेवा समिति की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कुछ संवेदनशील लोगों की छोटी-सी शुरुआत भी बड़ा रूप ले सकती है। हालांकि ऐसी सेवा संस्थाओं का निरंतर संचालन केवल कुछ लोगों के प्रयासों से संभव नहीं होता। इसके लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता और आपसी सहयोग जरूरी है।

छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना से मिला 1.80 लाख रुपये का ऋण, चार गायों और दो बछियों के साथ बढ़ाया पशुपालन व्यवसाय

मुख्यमंत्री की पाती पाकर चंपा देवी हुईं खुश, एक गाय से शुरू किया पशुपालन अब बना अतिरिक्त आमदनी का जरिया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने व्यक्तिगत पत्र भेजकर की मेहनत और आत्मनिर्भरता की सराहना, चंपा देवी ने जताया आभार

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम चैनपुर निवासी चंपा देवी कुशवाहा इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं। कभी एक गाय से परिवार की दूध की जरूरतें पूरी करने वाली चंपा देवी आज चार गायों के माध्यम से पशुपालन व्यवसाय को आगे बढ़ाकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना से मिले 1 लाख 80 हजार रुपये के ऋण ने उनके इस प्रयास को नई दिशा दी है। उनके आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों की सराहना करते हुए



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर व्यक्तिगत पाती भेजकर शुभकामनाएं दी हैं।

एक गाय से शुरू किया पशुपालन, शासन की मदद से बढ़ाया व्यवसाय

ग्राम चैनपुर निवासी चंपा देवी कुशवाहा, पति अजय कुमार कुशवाहा ने बताया कि पहले उनके पास केवल एक गाय थी, जिससे मिलने वाला दूध परिवार की जरूरतों में ही उपयोग हो जाता था। वह पशुपालन को आय का साधन बनाना चाहती थीं, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण व्यवसाय का विस्तार नहीं कर पा रही थीं। फरवरी 2026 में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना के अंतर्गत उन्हें 1 लाख 80 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस राशि से उन्होंने तीन अतिरिक्त गायें खरीदीं। वर्तमान में उनके पास चार गायें और दो बछिया हैं।

गायों की संख्या बढ़ने से दूध उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। अब चंपा देवी परिवार की जरूरतें पूरी करने के बाद शेष दूध आसपास के घरों में बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। इससे परिवार के दैनिक खर्चों को पूरा करने में सहायता मिल रही है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

मुख्यमंत्री की पाती ने बढ़ाया आत्मविश्वास और उत्साह

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने चंपा देवी कुशवाहा को व्यक्तिगत पत्र भेजकर उनके प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने अपनी पाती में एक गाय से शुरू किए गए पशुपालन व्यवसाय को चार गायों तक पहुंचाने और दूध बिक्री से परिवार की आय बढ़ाने के उनके प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने पत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के प्रत्येक परिवार की खुशहाली और समृद्धि इस संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने चंपा देवी के पशुपालन व्यवसाय में निरंतर प्रगति तथा परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की।

शासन की सहायता से मिली आत्मनिर्भर बनने की राह

मुख्यमंत्री की पाती प्राप्त होने पर चंपा देवी ने खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि शासन की योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें पशुपालन व्यवसाय का विस्तार करने का अवसर दिया। मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत पत्र भेजकर उनके प्रयासों की सराहना करना उनके लिए विशेष खुशी और प्रोत्साहन का विषय है।सशक्त एमसीबीदूसेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई चंपा देवी की यह सफलता बताती है कि शासन की योजनाओं का लाभ, स्वयं की मेहनत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

धान उपार्जन केंद्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, बारदाने से लेकर भंडारण तक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले प्रशासन ने उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। किसानों को धान बेचने के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. लगातार उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने पेंड्रा, नवागांव, देवरी कला एवं कुड़कई धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों की जमीनी हकीकत देखी। उन्होंने बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता, चबूतरों की स्थिति, परिसरों की साफ-सफाई एवं समतलीकरण, पंजीकृत किसानों की संख्या आदि की जानकारी ली तथा आवश्यकतानुसार व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों में धान के सुरक्षित भंडारण और व्यवस्थित रखरखाव के लिए पहले से फड़ तैयार किए जाएं, ताकि खरीदी के दौरान अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम पेण्ड्रारोड श्री विक्रांत अंचल भी उपस्थित थे।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने युवा शक्ति ने भरी हुंकार

सुकमा। युवाओं में नेतृत्व क्षमता, लोकतांत्रिक चेतना एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विकसित भारत यूथ लीडर्स डायलॉग-2027 के अंतर्गत गुरुवार को सबरी ऑडिटोरियम, सुकमा में जिला स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत, सुकमा द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के 27 युवा वक्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। युवा संसद का मुख्य विषय 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' रहा, जिस पर प्रतिभागियों ने अपने विचारों, तर्कों एवं सुझावों के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अमित कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयंक गुर्जर की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री धनीराम बारसे, नगर पालिका अध्यक्ष श्री हुंगाराम मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। जिला खेल अधिकारी श्री कैलाश कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के विचारों, तार्किक क्षमता, विषय की समझ एवं अभिव्यक्ति कौशल के आधार पर उनका मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में शिक्षा सिंह ने प्रथम, शिवम बंसल ने द्वितीय तथा राजेश सरकार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

युवा संसद के दौरान प्रतिभागियों ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर लोकतांत्रिक मूल्यों, चुनावी प्रक्रिया, सुशासन, प्रशासनिक व्यवस्था तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को न केवल अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का मंच मिला, बल्कि उनमें तार्किक चिंतन, संवाद कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। उपस्थित अतिथियों ने युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

किसान अनी सुविधा से सहकारी समिति या निजी विक्रेता का कर सकेंगे चयन

कवर्धा। जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरक पारदर्शी, सुगम और निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को मोबाइल एप से जनरेट टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद का वितरण किया जाएगा। जिले के सभी विकासखंडों में इस प्रणाली के तहत उर्वरक का उठाव प्रारंभ हो गया है।

नई व्यवस्था के अनुसार किसानों को एफएफएस मोबाइल एप में अपनी कृषि भूमि का रकबा और बोई गई फसल का विवरण दर्ज करना होगा। इसके बाद आवश्यक उर्वरक की मात्रा और विक्रेता का चयन कर टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद प्राप्त कर सकेंगे। किसान अपनी सुविधा के अनुसार नजदीकी सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक विक्रेता से खाद ले सकेंगे।

'कृषक उन्नति योजना खरीफ-2026- अनुदान वितरण प्रक्रिया होगी पूरी तरह पारदर्शी और सरल- मुख्य सचिव विकासशील'

'धान खरीदी पोर्टल, एग्रीस्टैक और डिजिटल क्रॉप सर्वे को किया जाएगा एकीकृत, किसानों को नहीं देनी होगी बार-बार जानकारी'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में किसानों को कृषि के क्षेत्र में और अधिक संबल प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में कृषक उन्नति योजना खरीफ-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत किसानों को आदान सहायता (अनुदान) राशि प्रदान करने की प्रक्रिया, पात्रता के दिशा-निर्देशों और डेटाबेस एकीकरण पर विस्तार से मंथन किया गया।



'डेटाबेस का एकीकरण और डिजिटल व्यवस्था'

बैठक में मुख्य सचिव श्री विकासशील ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन पूरी तरह पारदर्शी, सरल और त्रुटिरहित होना चाहिए। उन्होंने कृषि विभाग के विभिन्न पोर्टलों और धान खरीदी डेटाबेस को आपस में एकीकृत करने पर जोर दिया, जिससे किसानों से बार-बार दस्तावेज या जानकारी मांगने की आवश्यकता न पड़े। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान आईडी, फार्म आईडी और गिरदावरी के आंकड़ों को आपस में जोड़कर किसानों की कुल भूमि और फसल के रकबे की जानकारी का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी विशिष्ट फार्म आईडी की पुष्टि करने तथा योजना के तहत अनुदान हेतु आवेदन करने की सहज सुविधा दी जाए। योजना के सुचारू संचालन हेतु योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य होगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे में संबंधित भूमि पर धान की फसल दर्ज होना आवश्यक है। धान खरीदी प्रक्रिया के अंतर्गत कमउपयोग किया जाएगा।

'सत्यापन और अन्य फसल प्रोत्साहन पर जोर'

कसानों के हितों की रक्षा और वास्तविक पात्रता सुनिश्चित करने के लिए धान खरीदी के दौरान टोकन जारी करते समय अनुदानित रकबे का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष तौर पर, पिछले वर्ष धान न बेचने वाले किसानों के मामलों में भौतिक सत्यापन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त, बैठक में दलहन, तिलहन और मिलेट्स (कोदो-कुटकी-रागी) की खरीदी व्यवस्था तथा इन फसलों के उत्पादक किसानों को मिलने वाले प्रोत्साहन के संबंध में भी स्पष्ट जानकारी प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने ग्रामीण अंचलों में योजना की शर्तों और अभी किसान को असुविधा का सामना न करना पड़े।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की आत्मीय शुभकामनाएं

पांच दिवसीय महापर्व जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रकाश के पावन पर्व दीपावली के अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और आत्मीय शुभकामनाएं दी हैं। दीपावली के साथ-साथ धनतेरस, नरक चतुर्दशी, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के इस पांच दिवसीय महापर्व पर उन्होंने सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नए उत्साह के संचार की कामना की है।

सत्य, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश

अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि दीपावली हमारी



प्राचीन भारतीय संस्कृति और महान परंपराओं से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह पावन त्योहार हमें हमेशा सत्य, सद्भाव और सद्कर्मों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि दीपों का यह पर्व हमारे जीवन में ज्ञान, आशा और सकारात्मकता का संचार करता है। साथ ही, यह अवसर परिवार, समाज और राष्ट्र के बीच प्रेम, आपसी विश्वास तथा भाईचारे की भावना को और अधिक प्रगाढ़ बनाने का सशक्त संदेश देता है।

सबको साथ लेकर खुशियां बांटने का आह्वान

राज्यपाल ने अपने संदेश में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि त्योहारों की वास्तविक सार्थकता तभी है जब इनकी खुशियां समाज के अंतिम व्यक्ति और सभी वर्गों तक पहुंचें। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि इस पावन अवसर पर समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ अपनी खुशियां साझा करें। इसके साथ ही, पर्यावरण की स्वच्छता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए दीपोत्सव मनाने का आग्रह किया।राज्यपाल श्री डेका ने अंत में कामना की कि दीपावली का यह प्रकाश पर्व सभी के जीवन को रोशन करे तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश में आपसी सद्भाव, भावना निरंतर और मजबूत हो।

डिजिटल और पेपरलेस विधानसभा की ओर छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल विधायी प्रक्रियाओं और विभिन्न तकनीकी मॉड्यूल का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा को आधुनिक तकनीक से लैस करने तथा इसकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, सुगम, सुव्यवस्थित और पेपरलेस बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। इसी उद्देश्य के तहत राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन् चारू उपयोग को लेकर आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली: इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का



मुख्य लक्ष्य विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को एप्लीकेशन की तकनीकी एवं व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना था, ताकि विधायी कार्यों में डिजिटल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। इस पहल से विधानसभा के कामकाज में सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा और प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के समन्वयक श्री अमन गौतम और श्री श्रीधर स्वामी ने एप्लीकेशन के विभिन्न तकनीकी मॉड्यूल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से एडमिन मॉड्यूल, प्रश्न मॉड्यूल यावहारिक प्रशिक्षण उपस्थित को प्रदान किया।

पोटेमडगु गांव में एक ही दिन में मिलीं विभिन्न शासकीय ऑनलाइन सेवाएं

ग्रामीणों को घर के नजदीक मिला डिजिटल सुविधाओं का लाभ

एक ही दिन में आधार, जन्म प्रमाण पत्र सहित 22 सेवाएं उपलब्ध

एक सत बुलेटिन ➤ सुकमा

कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कोंटा विकासखंड में स्थित एलमगुंडा पंचायत के अंतर्गत पोटेमडगु गांव में विशेष डिजिटल सेवा अभियान संचालित किया गया। प्रशासन की इस पहल के तहत ग्रामीणों को एक ही दिन में विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र चिंतागुफा के माध्यम से ग्रामीणों को उनके आवश्यक दस्तावेज बनवाने की सुविधा गांव के नजदीक उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें इन कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मो. शाहिद ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 22 हितग्राहियों को विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। इसमें 10 ग्रामीणों का नया आधार पंजीयन, 10 ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र, 01 आयुष्मान कार्ड तथा 01 वोटर आईडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। एक ही दिन में इतनी महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ मिलने से ग्रामीणों को समय और श्रम की बचत के साथ शासकीय प्रक्रियाओं को सहजता से पूरा करने का अवसर मिला।

जिला प्रशासन की यह पहल दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा नागरिक सुविधाओं को सरल और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रशासन का उद्देश्य है कि तकनीक के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव और घर के नजदीक ही आवश्यक शासकीय सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि विकास की मुख्यधारा से प्रत्येक नागरिक को जोड़ा जा सके।गांव में ही सेवाएं, एक ही दिन में समाधान और ग्रामीणों के समय की जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता का परिचायक है।

धान खरीदी की तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, किसानों की सुविधा सुनिश्चित करेंरू कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में कृषि, पशुपालन एवं खाद्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा, लंबित बैंक प्रकरणों और केसीसी के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित जनशिकायतों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों और आम नागरिकों से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आगामी धान खरीदी को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने तथा उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनशिकायतों का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, प्रधानमंत्री पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन, पारस पोर्टल एवं लोक सेवा केंद्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण न करें, बल्कि आवेदकों की समस्याओं का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। सभी लंबित प्रकरणों की जानकारी संबंधित पोर्टल पर समय पर अपडेट करने और निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

किसानों के लंबित बैंक प्रकरणों और केसीसी का शीघ्र निराकरण करें

कृषि एवं पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), बैंक ऋण एवं अन्य लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक और विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि किसानों व पशुपालकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो।

पशुपालन विभाग की समीक्षा में बताया गया कि बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 470 तथा वर्ष 2026-27 में 468 हितग्राहियों को लक्ष्य के अनुरूप लाभान्वित किया गया है। इसी प्रकार सूकर त्रयी योजना में 22, अनुदान पर नर बकरा वितरण योजना में 33 तथा उन्नत मादा वत्स पालन योजना में 40 हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया है। कलेक्टर ने पशुपालन आधारित स्वरोजगार योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

पीएम किसान योजना में शेष पात्र किसानों का पंजीयन शीघ्र पूरा करें

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले के कुल 46,095 किसानों में से 38,129 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है, जो 82.71 प्रतिशत है। वहीं 28,234 सक्रिय पीएम किसान हितग्राहियों में से 23,462 किसानों का एग्रीस्टैक एवं फार्मर आईडी पंजीयन दर्ज किया गया है। कलेक्टर ने शेष पात्र किसानों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2026 में 35,499 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि खरीफ 2025 में 29,531 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसी प्रकार बीमित रकबा 13,773 हेक्टेयर से बढ़कर 16,420 हेक्टेयर हो गया है। कलेक्टर ने फसल बीमा के प्रति किसानों को जागरूक करने और अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजना से जोड़ने पर जोर दिया।

फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के निर्देश

कृषक उन्नति योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एकीकृत किसान पोर्टल पर पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने तथा फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि योजना के प्रावधानों के अनुसार धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तथा धान के अतिरिक्त अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है। उन्होंने किसानों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

धान खरीदी से पहले बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बारदानों की उपलब्धता, संग्रहण एवं वितरण की जानकारी ली। विभागीय विवरण के अनुसार खड़गवां विकासखंड एवं नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र की 81 उचित मूल्य दुकानों में अप्रैल से नवम्बर 2026 तक कुल 1,68,180 बारदानों की आवश्यकता दर्ज की गई है। इसके विरुद्ध समितियों एवं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 12,900 तथा विपणन संघ के गोदामों में 86,789 सहित कुल 99,689 बारदानों की उपलब्धता दर्ज की गई है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को बारदानों की शेष आवश्यकता की पूर्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई करने तथा उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान विक्रय के लिए आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

शिक्षा, पोषण और गोंडी भाषा-साहित्य के संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की मुख्यमंत्री ने की सराहना

मुख्यमंत्री की 'विष्णु की पाती' पाकर लोक साहित्यकार डॉ. जयमती कश्यप ने जताया आभार

एक सत बुलेटिन ➤ कोण्डागांव

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा लोक साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ. जयमती कश्यप को प्रेषित आत्मीय पत्र 'विष्णु की पाती' ने उन्हें अभिभूत कर दिया। मुख्यमंत्री द्वारा उनके सामाजिक एवं रचनात्मक योगदान की सराहना किए जाने पर डॉ. जयमती कश्यप ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है।



मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने पत्र में डॉ. कश्यप द्वारा बच्चों की शिक्षा, पोषण तथा गोंडी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की विशेष रूप से सराहना की है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में 12 वर्षों और पोषण के क्षेत्र में 5 वर्षों की उनकी सेवाओं को समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया। साथ ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने की दिशा में उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने पत्र में उल्लेख किया कि डॉ. कश्यप के साथ कार्य करने वाली महिलाएं अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं और बच्चों को उच्च शिक्षा की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। ग्रामीण महिलाओं को स्वयं निर्णय लेने में सक्षम बनाने की उनकी पहल भी सराहनीय है।

इसके साथ ही गोंडी लोकगीतों के गायन और गोंडी साहित्य के माध्यम से स्थानीय भाषा एवं परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उनके प्रयासों की भी मुख्यमंत्री ने प्रशंसा की। उन्होंने डॉ. कश्यप को रानी दुर्गावती सम्मान एवं राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान सहित प्राप्त सम्मानों के लिए बधाई दी।मुख्यमंत्री ने विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में बच्चों की शिक्षा और महिलाओं के आत्मविश्वास को महत्वपूर्ण बताते हुए डॉ. कश्यप के योगदान को सार्थक बताया।डॉ. जयमती कश्यप ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा उनके कार्यों को पहचान एवं प्रोत्साहन दिए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आत्मीय पत्र उनके लिए सम्मान के साथ-साथ समाजहित में निरंतर कार्य करते रहने की प्रेरणा है। उन्होंने शिक्षा, पोषण, महिला सशक्तिकरण और गोंडी भाषा-साहित्य के संरक्षण के क्षेत्र में अपने प्रयासों को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

न्यूज इन शॉर्ट



सूखा धान भूसा एवं प्लास्टिक बोरी व्यवस्था हेतु ऑनलाइन ई-निविदा 19 नवंबर तक आमंत्रित

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए जिले के धान संग्रहण केन्द्रों एवं इकाइयों में सूखा धान भूसा एवं प्लास्टिक बोरी की व्यवस्था हेतु द्वितीय ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की गई है। जिला विपणन अधिकारी ने बताया कि इच्छुक निविदाकार जेम पोर्टल पर निविदा क्रमांक त्नश्वस्/2026/क्र/8243676 के अंतर्गत 19 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे तक ऑनलाइन निविदा भर सकते हैं। निविदा की अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व बी.जी./डी.डी. की मूल प्रति जिला विपणन कार्यालय, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में जमा करना अनिवार्य है। निविदा का प्रारूप, शर्तें एवं संबंधित दिशा-निर्देश जेम पोर्टल की वेबसाइट 222.द्वद्वद्व.द्व**1.द्वद्व पर उपलब्ध हैं। इच्छुक निविदाकार विस्तृत शर्तों का अवलोकन कर निर्धारित समय-सीमा में निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं।

धान संग्रहण केंद्र गुल्लीडांड एवं पेंड्रारोड में हमाली कार्य हेतु ई-निविदा 19 नवंबर तक आमंत्रित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में जिले के धान संग्रहण केंद्र गुल्लीडांड निविदा क्रमांक त्नश्वस्/2026/क्र/8245265 एवं पेंड्रारोड निविदा क्रमांक त्नश्वस्/2026/क्र/8245621 में हमाली कार्य के लिए द्वितीय ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की गई है। इच्छुक निविदाकार जेम पोर्टल के माध्यम से 19 नवंबर तक ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 19 नवंबर को गुल्लीडांड केंद्र के लिए दोपहर 12 बजे तथा पेंड्रारोड केंद्र के लिए दोपहर 1 बजे तक निर्धारित है। निविदाकारों को बी.जी./डी.डी. की मूल प्रति संबंधित निविदा की अंतिम तिथि एवं निर्धारित समय से पूर्व जिला विपणन कार्यालय, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में जमा करना अनिवार्य है। निविदा प्रारूप, शर्तों एवं पर किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 11 सहबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

बालोद। छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख क्षेत्र के 11 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इनमें तीन डिप्लोमा और आठ स्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट ीजचेरूध्ब्हकउमप्पद का अवलोकन कर सकते हैं। डिप्लोमा स्तर पर एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, डायलिसिस टेक्नोलॉजी तथा मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ फिजिशियन एसोसिएट्स, बैचलर ऑफ साइंस हेल्थ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर्स ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री तथा बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस शामिल हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यक्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रमुख कार्यक्षेत्रों में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, चिकित्सा प्रयोगशाला, एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस तथा ऑप्टोमेट्री शामिल हैं। रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का कार्यक्षेत्र एक्स-रे, सीटी और एमआरआई जाँच सेवाओं से जुडे क्षेत्र में रोजगार के द्वार खुलेंगे है।

सीएम हेल्पलाइन पर एमसीबी जिले का बेहतर प्रदर्शन, 88 प्रतिशत शिकायतों पर कार्रवाई

9 जून से 1 नवम्बर तक प्राप्त 3,917 शिकायतों में से 3,452 का निराकरण, 3,109 प्रकरण पूर्ण रूप से बंद

समय-सीमा में 96.1 प्रतिशत शिकायतों का समाधान, बिजली, राशन, आवास और पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण में नागरिकों की संतुष्टि को प्राथमिकता

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की दिशा में सीएम हेल्पलाइन महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। जिले में 9 जून 2026 से प्रारंभ हुई इस व्यवस्था के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निराकरण में जिला प्रशासन ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 9 जून से 1 नवम्बर 2026 तक सीएम हेल्पलाइन में कुल 3,917 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 3,452 शिकायतों पर कार्रवाई पूरी की जा चुकी है। यह कुल प्राप्त शिकायतों का 88.1 प्रतिशत है। वहीं 3,109 शिकायतों को पूर्ण रूप से बंद किया गया है, जो कुल शिकायतों का लगभग 79 प्रतिशत है।

समय-सीमा में शिकायतों के निराकरण पर विशेष जोर

सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। जिले में 96.1 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया गया है। विशेष रूप से लेवल-3 स्तर पर अधिकारियों ने 99.7 प्रतिशत शिकायतों का समयबद्ध निराकरण किया। इस स्तर पर प्राप्त 1,039 शिकायतों में से केवल तीन प्रकरण ही निर्धारित समय-सीमा से आगे बढ़े।



नागरिकों की संतुष्टि के आधार पर शिकायतों का निराकरण

सीएम हेल्पलाइन की विशेषता यह है कि शिकायतों के निराकरण में केवल विभागीय कार्रवाई ही नहीं, बल्कि संबंधित नागरिक की संतुष्टि को भी महत्व दिया जाता है। शिकायत पर कार्रवाई के बाद नागरिकों से फीडबैक लिया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी समस्या का वास्तविक समाधान हुआ है। जिले में प्रथम स्तर पर 1,235 शिकायतें नागरिकों की संतुष्टि के आधार पर बंद की गई हैं। इससे शिकायत निवारण व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है।

बिजली, राशन, आवास और पेयजल की समस्याओं के समाधान में बेहतर परिणाम

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त अधिकांश शिकायतें नागरिकों की दैनिक आवश्यकताओं से जुड़ी रहीं। बिजली ट्रांसफार्मर की मरम्मत से संबंधित 49 शिकायतों में से 47 का समाधान नागरिकों की संतुष्टि के अनुरूप किया गया, जो लगभग 96 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की किस्तों से संबंधित 36 शिकायतों में से 32 तथा राशन कार्ड में नाम जोड़ने या हटाने संबंधी 27 शिकायतों में से 24 का संतोषजनक निराकरण किया गया। दोनों श्रेणियों में नागरिक संतुष्टि का स्तर लगभग 89 प्रतिशत रहा।इसी प्रकार कम-ज्यादा वोल्टेज एवं बिजली कटौती से संबंधित 69 शिकायतों में से 61 का संतोषजनक समाधान किया गया, जो लगभग 88 प्रतिशत है।

छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 11 सहबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

सत्र 2026-27 के लिए तीन डिप्लोमा और आठ स्नातक पाठ्यक्रम



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख क्षेत्र के 11 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इनमें तीन डिप्लोमा और आठ स्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट अवलोकन कर सकते हैं।डिप्लोमा स्तर पर एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, डायलिसिस टेक्नोलॉजी तथा मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ फिजिशियन एसोसिएट्स, बैचलर ऑफ साइंस हेल्थ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर्स ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री तथा बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस शामिल हैं।इनके माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यक्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रमुख कार्यक्षेत्रों में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, चिकित्सा प्रयोगशाला, एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस तथा ऑप्टोमेट्री शामिल हैं।रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का कार्यक्षेत्र एक्स-रे, सीटी और एमआरआई जाँच सेवाओं से जुडे क्षेत्र में रोजगार के द्वार खुलेंगे है। चिकित्सा प्रयोगशाला का कार्यक्षेत्र पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं, रक्त बैंकों और शोध प्रयोगशालाओं तक विस्तृत है। इसी प्रकार एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर से संबंधित भूमिकाएँ शल्य कक्ष, गहन चिकित्सा इकाई और आपातकालीन विभाग में होती हैं। डायलिसिस का कार्यक्षेत्र डायलिसिस इकाइयों एवं गुर्दा रोग विभाग तथा ऑप्टोमेट्री का कार्यक्षेत्र नेत्र अस्पतालों, दृष्टि जाँच केंद्रों में रोजगार की संभावना होगी । आवेदन जमा करने अथवा शुल्क का भुगतान करने से पहले अभ्यर्थियों को आधिकारिक प्रवेश सूचनाओं का अवलोकन करने के लिए कहा गया है। प्रवेश की विस्तृत शर्तों और प्रक्रिया की प्रामाणिक जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी अधिसूचनाओं से प्राप्त की जा सकती है।

प्रवेश की विस्तृत शर्तों और प्रक्रिया की प्रामाणिक जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी अधिसूचनाओं से प्राप्त की जा सकती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बड़ी उपलब्धि

वर्ष 2026 में 110 रूट किलोमीटर रेलमार्ग पर स्वचालित सिग्नलिंग प्रारंभ

13 खंडों में 235 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य कार्य पूर्ण; नवंबर के पहले सप्ताह में सक्ती-झाराडीह-खरसिया एवं हर्री-वेंकटनगर-निगौरा खंड भी जुड़े

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रेल परिचालन के आधुनिकीकरण की दिशा में वर्ष 2026 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल से नवंबर 2026 के बीच जोन के व्यस्त रेलमार्गों के 13 खंडों में कुल 110 रूट किलोमीटर रेलमार्ग पर स्वचालित सिग्नलिंग (ऑटोमैटिक सिग्नलिंग) प्रणाली सफलतापूर्वक प्रारंभ की गई है। यह कार्य 235 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य है। इसी क्रम में बिलासपुर मंडल के सक्ती-झाराडीह-खरसिया खंड में 02 नवंबर 2026 को तथा हर्री-वेंकटनगर-निगौरा खंड में 05 नवंबर 2026 को स्वचालित सिग्नलिंग का कार्य पूर्ण कर इसे प्रारंभ किया गया।

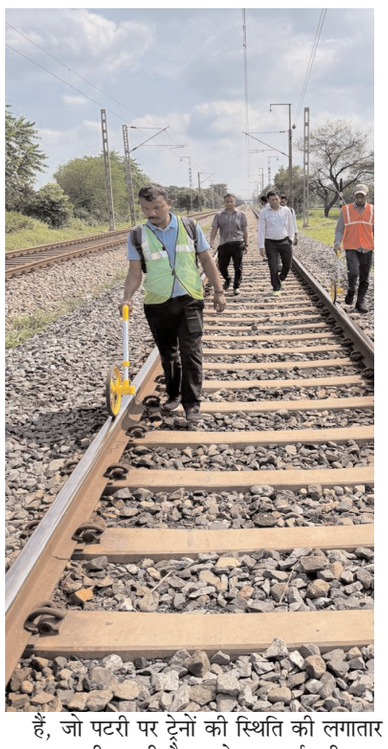
ये सभी खंड दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अत्यंत व्यस्त रेलमार्गों पर स्थित हैं, जिनमें हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग तथा बिलासपुर-कटनी रेलमार्ग के बिलासपुर-अनूपपुर खंड शामिल हैं। इन मार्गों पर यात्री गाड़ियों के साथ-साथ कोयला, इस्पात, सीमेंट एवं बिजली उद्योगों से जुड़ी बड़ी संख्या में मालगाड़ियां चलती हैं। स्वचालित सिग्नलिंग से इन खंडों में एक ही रेलमार्ग पर अधिक ट्रेनों का सुगम परिचालन संभव होगा, जिससे ट्रेनों के समयपालन में सुधार होगा और यात्रियों को बेहतर रेल सेवा मिलेगी।

स्वचालित सिग्नलिंग क्या है?

पारंपरिक व्यवस्था - पारंपरिक प्रणाली में दो स्टेशनों के बीच के पूरे रेलखंड में एक समय में केवल एक ही ट्रेन चलाई जाती है। अगली ट्रेन को तब तक स्टेशन पर प्रतीक्षा करनी होती है, जब तक पहली ट्रेन अगले स्टेशन तक न पहुंच जाए।

स्वचालित सिग्नलिंग - स्वचालित सिग्नलिंग में दो स्टेशनों के बीच के रेलखंड को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर हर हिस्से पर सिग्नल लगाए जाते हैं। ये सिग्नल ट्रेन के आगे बढ़ने के साथ अपने-आप बदलते हैं। इससे एक ही रेलखंड में एक के बाद एक कई ट्रेनें व्यवस्थित ढंग से चलाई जा सकती हैं और ट्रेनों को स्टेशनों पर अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती।

अधिक सुरक्षित क्यों - सिग्नल पूरी तरह आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली से संचालित होते हैं, जो पटरी पर ट्रेनों की स्थिति की लगातार जानकारी रखती है। आगे का मार्ग पूरी तरह खाली होने पर ही ट्रेन को आगे बढ़ने का संकेत मिलता है। मानवीय निर्भरता कम होने और सतत निगरानी के कारण यह प्रणाली अधिक विश्वसनीय एवं सुरक्षित है।



कुल मिलाकर - एक ही रेलमार्ग पर अधिक ट्रेनें, बेहतर समयपालन और यात्रा समय में बचत, वह भी नई रेल लाइन बिछाए बिना।

सक्ती - झाराडीह - खरसिया खंड (02 नवंबर 2026)

बिलासपुर मंडल के अंतर्गत हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग के बिलासपुर-झारसुगुड़ा खंड पर स्थित सक्ती-झाराडीह-खरसिया खंड में 02 नवंबर 2026 को सायं 6:30 बजे स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली सफलतापूर्वक प्रारंभ की गई। यह खंड चार रेल लाइनों वाला है, जिसकी लंबाई 16 रूट किलोमीटर है और यह 32 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य है। हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग का यह हिस्सा जोन के सबसे व्यस्त रेलमार्गों में से एक है, जहां यात्री गाड़ियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में मालगाड़ियों का परिचालन होता है।

इस कार्य के अंतर्गत खंड में 32 नए स्वचालित सिग्नल लगाए गए हैं और पूरी व्यवस्था को नई आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। पटरी पर ट्रेनों की स्थिति की सटीक जानकारी के लिए मल्टी-सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (रूस्ष्टष्ट) के 180 डिटेक्शन पॉइंट लगाए गए हैं, जो डुअल डिटेक्शन व्यवस्था पर आधारित हैं। प्रणाली की निरंतर निगरानी के लिए 1024 बिट क्षमता वाला नया डेटालॉगर स्थापित किया गया है। उपकरणों की सुरक्षा के लिए फायर अलार्म प्रणाली, सिग्नलिंग एवं क्राड केबलों की निगरानी हेतु अर्थ लीकेज डिटेक्टर (श्वस्ष्ठ) तथा बिजली आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने के लिए स्वचालित फ्यूज चेंजओवर प्रणाली भी लगाई गई है। इन सभी व्यवस्थाओं से यह खंड अब अधिक क्षमता और बेहतर विश्वसनीयता के साथ ट्रेनों के परिचालन के लिए तैयार है।

हर्री - वेंकटनगर - निगौरा खंड (05 नवंबर 2026)

इसके ठीक तीन दिन बाद, गुरुवार, 05 नवंबर 2026 को बिलासपुर मंडल के बिलासपुर-अनूपपुर खंड में स्थित हर्री-वेंकटनगर-निगौरा खंड में भी स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली प्रारंभ की गई। तीन रेल लाइनों वाले इस खंड की लंबाई 18 रूट किलोमीटर है, जो 36 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य है। यह कार्य आरडीएसओ के मानक डिज़ाइन के अनुरूप स्वचालित सिग्नलिंग को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से सीधे जोड़कर (डायरेक्ट इंटरफेसिंग) पूरा किया गया है। इस कार्य को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की परियोजना इकाई, बिलासपुर द्वारा पूर्ण किया गया।

इस खंड में कुल 40 स्वचालित सिग्नल लगाए गए हैं, जिनमें अप लाइन, डाउन लाइन, अप ज्वाइंट लाइन एवं डाउन ज्वाइंट लाइन पर 10-10 सिग्नल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त तीनों स्टेशनों के यार्ड में कुल 24 सेमी-ऑटोमैटिक सिग्नल लगाए गए हैं, जिनमें हर्री यार्ड में 12, वेंकटनगर यार्ड में 10 तथा निगौरा यार्ड में 2 सिग्नल हैं। ट्रेनों की स्थिति की सटीक जानकारी के लिए मल्टी-सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (172 डिटेक्शन पॉइंट एवं 197 ट्रैक सेक्शन बनाए गए हैं। सिग्नलिंग उपकरणों के लिए 1 ऑटो हट का निर्माण किया गया है तथा 24 ≠ मार्कर बोर्ड लगाए गए हैं।इस खंड में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ प्रणाली की निगरानी के लिए डेटालॉगर, सिग्नलों को हर समय सक्रिय तथा फ्यूज चेंजओवर एवं अलार्म प्रणाली भी स्थापित की गई है।

महतारी वंदन से विमला बाई के हुनर को मिला सहारा, मिट्टी के दीयों से रोशन होंगी दीपावली की खुशियां

33वीं किस्त से मिली आर्थिक राहत, योजना की राशि से मिट्टी और लकड़ी खरीदकर पारंपरिक व्यवसाय को दे रहीं बढ़ावा

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ उनके पारंपरिक व्यवसाय और आजीविका को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम चनवारीडांड निवासी श्रीमती विमला बाई के लिए भी यह योजना आत्मनिर्भरता की राह में सहायक बनी है। मिट्टी के दीये, मटके और सुराही बनाकर परिवार की आजीविका में योगदान देने वाली विमला बाई को महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त मिलने से दीपावली की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। योजना से हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि का उपयोग वे अपने पारंपरिक व्यवसाय के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने में कर रही हैं।



मिट्टी के दीये बनाकर रोशन कर रहीं घर, योजना से मिला आर्थिक संबल

ग्राम चनवारीडांड निवासी विमला बाई वर्षों से मिट्टी के बर्तन बनाने के पारंपरिक कार्य से जुड़ी हैं। वे अपने हुनर से मिट्टी के दीये, मटके, सुराही सहित विभिन्न उपयोगी बर्तन तैयार करती हैं और उन्हें स्थानीय बाजार में बेचकर आमदनी अर्जित करती हैं। इस व्यवसाय में मिट्टी और बर्तनों को पकाने के लिए लकड़ी की नियमित आवश्यकता होती है। ऐसे में महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है।

विमला बाई बताती हैं कि हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से वे मिट्टी और लकड़ी खरीदती हैं, जिससे उन्हें अपना काम जारी रखने में सहायता मिलती है। पहले व्यवसाय के लिए आवश्यक सामग्री जुटाने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब नियमित सहायता मिलने से कामकाज की जरूरतें पूरी करने में सुविधा हो रही है। मिट्टी के बर्तनों की बिक्री से होने वाली आय परिवार के दैनिक खर्चों में भी मददगार बन रही है।

दीपावली से पहले मिली राशि ने बढ़ाया उत्साह

महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त प्राप्त होने से विमला बाई के परिवार में खुशी का माहौल है। दीपावली पर्व के अवसर पर मिट्टी के दीयों की विशेष मांग रहती है। ऐसे में यह त्योहार उनके लिए पारंपरिक व्यवसाय के साथ अतिरिक्त आमदनी का अवसर भी लेकर आता है। विमला बाई ने बताया कि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे दीपावली की तैयारियों और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में करेंगी। त्योहार के समय मिली इस आर्थिक सहायता से उन्हें काफी राहत मिली है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

विमला बाई ने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हर महीने मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए बड़ा सहारा है। इससे वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ छोटे व्यवसाय और पारंपरिक कार्यों को भी आगे बढ़ा पा रही हैं। उन्होंने कहा कि योजना की राशि से उखरीदने में मदद मिल रही है, जिससे उनका रोजगार निरंतर जारी है।

धान उपार्जन केंद्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, बारदाने से लेकर भंडारण तक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले प्रशासन ने उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। किसानों को धान बेचने के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. लगातार उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने पेंड्रा, नवागांव, देवरी कला एवं कुडकई धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों की जमीनी हकीकत देखी। उन्होंने बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता, चबूतरों की स्थिति, परिसरों की साफ-सफाई एवं समतलीकरण, पंजीकृत किसानों की संख्या आदि की जानकारी ली तथा आवश्यकतानुसार व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों में धान के सुरक्षित भंडारण और व्यवस्थित रखरखाव के लिए पहले से फड़ तैयार किए जाएं, ताकि खरीदी के दौरान अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम पेण्ड्रारोड श्री विक्रांत अंचल भी उपस्थित थे।

भारत से एशियाड का फाइनल हारने पर बोला पाकिस्तानी बैटर



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज ने कहा कि भारत के खिलाफ एशियन गेम्स फाइनल हारने का दर्द अब भी उन्हें परेशान करता है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी गलतियों की वजह से पाकिस्तान को हार मिली। भारत ने पिछले हफ्ते जापान में पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड जीता था। इस मैच में नवाज ने 96 रन बनाए थे नवाज ने बुधवार को रावलपिंडी में मीडिया से बातचीत में कहा कि वे अपनी पारी से संतुष्ट हैं। वे अपने प्लांस के हिसाब से बैटिंग कर रहे थे। हसन नवाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि फाइनल अब खत्म हो चुका है और क्रिकेट तथा मैच आगे भी जारी रहेंगे। हमसे भी गलतियां होती रहेंगी। लेकिन, उन्हें हराने के लिए हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा और बेहतर बनना होगा।%

जमीनी स्तर के क्रिकेट से खेल पर काम किया

2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ञ्ज20ढ्ढ शतक लगाकर इंटरनेशनल क्रिकेट में आने वाले नवाज ने अपने खेल पर काम करने का तरीका भी बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर का क्रिकेट खेलकर अपने खेल को बेहतर कर रहे हैं। नवाज ने कहा, 'इन मैचों में मिलने वाले गेंदबाज और पिच आपको मुश्किल हालात में बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद करते हैं।इंटरनेशनल क्रिकेट में आपको बेहतर हालात में बैटिंग करने का मौका मिलता है, तो इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है।

श्रीलंका और इंग्लैंड सीरीज पर नजर

नवाज ने कहा कि वे बहुत आगे के बारे में नहीं सोचते। अब उनका ध्यान घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखने पर है।उन्होंने कहा, 'आपके पास एक योजना होती है और आपको उसी पर कायम रहना होता है। उतार-चढ़ाव हमेशा आते रहते हैं।'

न्यूज़ीलैंड को डेरिल मिचेल से उम्मीदें



भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा वनडे आज वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बिना खाता खोले पहला विकेट गंवा दिया। आकिब नबी ने टिम साइफर्ट को आउट किया।

श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा ने टेस्ट कप्तानी छोड़ी



कहा- अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने का समय, बतौर खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने तत्काल प्रभाव से पद छोड़ दिया। उन्होंने गुरुवार को कहा कि अब जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने का समय है।35 साल के धनंजय ने चयन समिति को पत्र भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। वे खिलाड़ी के तौर पर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।धनंजय ने जनवरी 2024 में दिमुथ करुणारत्ने की जगह टेस्ट कप्तानी संभाली थी। उन्होंने 69 टेस्ट में 4,400 से ज्यादा रन बनाए हैं। इसमें 13 शतक शामिल हैं।

धनंजय ने बतौर कप्तान आखिरी मैच भारत के खिलाफ खेला था। उन्होंने 23 से 27 अगस्त तक खेले गए इस मैच में 8 और 23 रन बनाए थे।धनंजय ने बतौर कप्तान आखिरी मैच भारत के खिलाफ खेला था। उन्होंने 23 से 27 अगस्त तक खेले गए इस मैच में 8 और 23 रन बनाए थे।

पत्र में लिखा- मेरी राय, अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपे

धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका की चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरी ईमानदार राय है कि जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंप देनी चाहिए।'

पैरा शूटर्स बोले- इनकार किया तो एशियन गेम्स के लिए सिलेक्शन नहीं हुआ, जांच की मांग

दावा- खिलाड़ियों से इनाम में 20 प्रतिशत कमीशन मांग रहे अधिकारी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पैरा एशियन गेम्स के लिए भारतीय दल के सिलेक्शन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। एशिया के नंबर-1 और नंबर नंबर-3 पिस्टल शूटर आकाश और संदीप कुमार ने दावा किया है कि- अधिकारियों ने उनसे कहा कि अगर इवेंट में मेडल आता है और सरकार उस पर इनाम देती है तो 20त्न रकम कमीशन के दौर पर देनी होगी।शूटर्स ने बताया कि पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों और शूटिंग टेक्निकल कमेटी के सदस्य कमीशन मांगने वाले लोगों में शामिल हैं। शूटर्स ने क्वॉलिफाइंग स्कोर में हेरफेर और चयन समिति में बदलाव किए जाने के आरोप भी लगाए हैं।

खिलाड़ियों ने ञ्ज्ढ्ढ महानिदेशक से पूरे मामले की जांच की मांग की है। पांचवें पैरा एशियन गेम्स 18 से 14 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होना है। यहीं 20वें एशियन गेम्स भी हुए हैं।



इंटरनेशनल कोटे में भी हेरफेर का आरोप

शूटर्स ने दावा किया कि भारत को मिले 15 अंतर्राष्ट्रीय कोटा स्थानों में से दो का इस्तेमाल नहीं किया गया। आरोप है कि अगली रैंकिंग के खिलाड़ियों ने कथित वित्तीय मांगें पूरी करने से इनकार किया, इसलिए ये स्थान सरेंडर कर दिए गए।खिलाड़ियों ने वाइल्ड कार्ड और कोटा स्थानों के आवंटन में रैंकिंग और प्रदर्शन के बजाय वित्तीय आधार पर फैसला लेने का भी आरोप लगाया है।

एशिया नंबर-1 शूटर को नहीं चुने जाने पर सवाल

50 मीटर फ्री पिस्टल स।1 में एशिया रैंकिंग में तीसरे नंबर के संदीप कुमार ने दावा किया किया कि उन्हें और आकाश पीछे छोड़कर एशिया रैंकिंग में 14वें नंबर के रुद्राक्ष खंडेलवाल का चयन किया गया।

व्यापार

सेंसेक्स 319, निफ्टी 126 अंक ऊपर आया

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच व्यापार करार से भी बाजार में उत्साह आया और वह उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक बढ़कर 81,857.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक ऊपर आकर 25,175.40 पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी मेटल और बैंकिंग शेयरों के कारण आई। इस कारण निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी इंडिया डिफेंस निफ्टी पीएसई और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑटो , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल् के शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 338 अंक



बढ़कर 57,483.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 66.60 अंक उछलकर 16,419.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, इन्फोसिस, एचसीएल के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। बाजार में आज के सत्र में उतार-चढ़ाव हावी रहा पर यूरोपीय यूनिया से करार से बाजार को बल मिला पर बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के डर के कारण ऑटो और बेवरेज शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट साथ खुले। सेंसेक्स 81,436 अंक पर लगभग सपाट खुला, लेकिन कुछ ही देर में बिकवाली हावी हो

अदाणी समूह और एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण में करेंगे साझेदारी

नई दिल्ली । अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने मंगलवार को एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजार में छोटे और मझोले शहरों के हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित समारोह में सहयोग की घोषणा की गई। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल विमानों के संयोजन तक सीमित नहीं है। इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाने की योजना शामिल है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस सहयोग के तहत भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। दोनों कंपनियां भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक फाइनल





असेंबली लाइन भी स्थापित करेंगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक अधिकारी ने कहा कि यह कदम देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक जेट विमानों का निर्माण करती है और भारत में इस साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना है। इस साझेदारी से अदाणी समूह भारतीय विमानन उद्योग में विमान निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। साथ ही यह एम्ब्रेयर को भारत में अपने क्षेत्रीय विमानों के लिए मजबूत बाजार और उत्पादन क्षमताएँ विकसित करने में मदद करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम भारत के नागर विमानन क्षेत्र में नई तकनीकी संभावनाएँ और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई

सोना 1.59 लाख और चांदी के भाव 3.59 लाख के पार

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुएं ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करते नजर आए, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते सत्र में नया उच्च स्तर बनाने के बाद आज इनमें हल्की नरमी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट मजबूत शुरुआत के साथ 2,637 रुपये की तेजी लेकर 1,58,674 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,56,037 रुपये था। इस समय सोने का वायदा भाव 2,447 रुपये की तेजी के साथ 1,58,484 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,59,820 रुपये का उच्च



स्तर छू लिया, जबकि दिन का निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 5,125 रुपये की बढ़त के साथ 3,39,824 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,34,699 रुपये था। इस समय चांदी का वायदा भाव 21,287 रुपये की तेजी के साथ 3,55,986 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था।

सत्र के दौरान चांदी ने 3,59,800 रुपये प्रति किलो का सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोना और चांदी रिकॉर्ड तेजी के बाद आज कुछ नरम पड़े। सोना 5,005.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 15.10 डॉलर की गिरावट के साथ 5,067.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, इसने दिन में 5,107.90 डॉलर का उच्च स्तर छुआ। वहीं, चांदी 104.01 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 4.65 डॉलर की गिरावट के साथ 110.85 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि इसका उच्चतम स्तर 117.70 डॉलर रहा।

बैंकों की हड़ताल: डिजिटल और एटीएम सेवाएं जारी रहेंगी



नई दिल्ली । बैंक यूनियनों की तरफ से मंगलवार को पूरे दिन हड़ताल का ऐलान किया गया है। इस वजह से बैंक शाखाओं में कामकाज थोड़ी देर के लिए प्रभावित हो सकता है। कई कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल रहेंगे, लेकिन बैंक और सरकार ने ग्राहकों की परेशानी कम करने के लिए तैयारियां की हैं। बैंकों ने भरोसा दिलाया है कि एटीएम में पर्याप्त नकदी उपलब्ध है और जरूरत पड़ने पर समय पर कैश भरा जाएगा। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, कार्ड पेमेंट और अन्य डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहेंगी। सरकारी लेन-देन और अन्य जरूरी बैंकिंग सेवाएं जारी रहेंगी। ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट के जरिए भी सेवाएं दी जाएंगी। सोमवार को वित्तीय सेवा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई।



अधिक बच्चे 'दंडनीय' नहीं

यदि आप दो से अधिक बच्चों के माता-पिता हैं, तो आपको किसी भी सरकारी तथा सामाजिक योजना से वंचित नहीं रखा जा सकता। आपको सरकारी सेवा अथवा नौकरी का भी लाभ मिलता रहेगा। आपको चुनाव लड़ने को भी 'अयोग्य' करार नहीं दिया जा सकता। बच्चों के प्रजनन और आपकी शारीरिक स्वायत्तता भी संविधान के अनुच्छेद 21 में 'मौलिक अधिकार' के तौर पर दर्ज है। अब यह सर्वोच्च अदालत का भी फैसला है। अदालत की चिंता यह है कि देश की औसत प्रजनन दर 1.9 हो गई है। अर्थात माता-पिता औसतन 2 बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं। यह 'रिप्लेसमेंट लेवल' (2.1) से भी कम है। यह लेवल वह दर है, जिस पर कोई आबादी बिना घटे ही खुद को बनाए रख सकती है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का निर्णय है कि यदि किसी युगल के घर में 3 बच्चे हैं, तो माता-पिता में से किसी को भी 'दंडित' नहीं किया जा सकता। दंडस्वरूप किसी भी सार्वजनिक लाभ, अवसर, परियोजना से 'वंचित' भी नहीं रखा जा सकता। शीर्ष अदालत के सामने महाराष्ट्र के काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव का मामला था। जब मंगला के 3 बच्चे हुए, तब उन्हें चुनाव लड़ने के 'अयोग्य' करार दे दिया गया। शीर्ष अदालत ने उस 'अयोग्यता' के फैसले को खारिज किया है। यही नहीं, सर्वोच्च अदालत के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे ने इस मामले को एक उच्च पीठ के पास भी भेज दिया है। 2003 में हरियाणा उच्च न्यायालय ने 2 से अधिक संतान पैदा करने वालों को चुनाव लड़ने से वंचित करने के पक्ष में फैसला दिया था। अब उस फैसले पर सर्वोच्च अदालत में व्यापक पुनर्विचार होगा। बहरहाल भारत की आबादी में घटने के कोई भी रुझान या संकेत नहीं हैं, लेकिन बूढ़े, उम्रदराज लोगों की आबादी बढ़ती जा रही है। जनगणना के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर 2022-26 में भारत की उम्रदराज आबादी 15 करोड़ से अधिक होगी।

(एक नजर)

एक साथ 2 बड़े ग्रह होंगे वक्री!

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की चाल और उनकी स्थिति में होने वाले बदलाव का सीधा असर मानव जीवन और देश-दुनिया पर पड़ता है। अक्टूबर का महीना इस लिहाज से बेहद खास रहने वाला है, क्योंकि इस अवधि में धन, ऐश्वर्य और सुख के कारक शुक्र के साथ-साथ बुद्धि, व्यापार और वाणी के दाता बुध वक्री होने जा रहे हैं।द्रिक पंचांग के अनुसार, 3 अक्टूबर 2026 को शुक्र वक्री हो चुके हैं और इसके बाद 24 अक्टूबर 2026 को बुध भी अपनी चाल बदलकर वक्री हो जाएंगे। जब दो प्रमुख ग्रह उल्टी चाल चलते हैं, तो उसका प्रभाव करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक रिश्तों पर गहराई से पड़ता है। आइए जानते हैं कि शुक्र और बुध के इस बड़े गोचर का सभी 12 राशियों में से किन 5 विशेष राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा और किसे सतर्क रहने की जरूरत है।अक्टूबर के महीने में जब शुक्र और बुध दोनों ही वक्री अवस्था में होंगे, तब विशेष रूप से वित्तीय लेनदेन, कागजी दस्तावेजों और दस्तखत करने के मामलों में अत्यधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। बुध की वक्री चाल कम्यूनिकेशन और बिजनेस में गलतफहमी पैदा कर सकती है, जबकि शुक्र की उल्टी चाल फिजूलखर्ची और रिश्तों में खटास ला सकती है।

विचार

अचूक, अभेद्य और सटीक भारतीय वायु सेना

प्रोफेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

लेखक

2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है।

`भारतीय वायु सेना 8 अक्टूबर को अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। अमेरिका और रूस के बाद लगातार पांचवें साल दुनिया की तीसरी सबसे ताकतवर वायु सेना बनी आईएएफ के पास 250 से अधिक सुखोई-30एमकेआई और राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान हैं। वायु सेना अपनी सामरिक ताकत का भव्य फ्लाई-पास्ट इस साल वाराणसी में आयोजित करेगी।

भारतीय वायु सेना (आई. ए. एफ.) आज (8 अक्टूबर, 2026) अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। यह दिन हवाई सुरक्षा, रणनीतिक प्रतिरोध और मानवीय सेवा के लगभग एक सदी के सफल सफर को दर्शाता है।भारतीय वायु सेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो 1932 में हमारी वायु सेना की आधिकारिक स्थापना की याद दिलाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान रॉयल इंडियन एयर फ़ोर्स के रूप में स्थापित, वायु सेना ने 1950 में अपने नाम से ÷रॉयल÷ शब्द हटा दिया। यह दिन उन वायु योद्धाओं (सेवानिवृत्त एवं सेवारत) के साहस, पेशेवर रवैये और बलिदान का सम्मान करता है, जो शांति और संघर्ष के समय भारत के हवाई क्षेत्र, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करते हैं।भारतीय वायु सेना दिवस समारोह भव्यता, सटीकता और टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। सालाना एयर डिस्प्ले और फ्लाईपास्ट में फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर के तालमेल वाले हवाई करतब शामिल होते हैं। एयर-वॉरियर परेड में पुरुष और महिला दोनों तरह के कर्मियों का सटीक तालमेल वाला मार्च होता है, जो अनुशासन और मिलिट्री अंदाज़ को दिखाता है।फ्लाई-पास्ट कार्यक्रम को आम जनता तक पहुँचाने के लिए हर साल जगहें बदली जाती हैं, जैसे हिंडन एयर फ़ोर्स बेस, चंडीगढ़ और प्रयागराज। इस साल वाराणसी में 22, 23 और 25 अक्टूबर को फ्लाई-पास्ट डिस्प्ले होगा।



थीम-बेस्ड कैंपेन में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) और रक्षा मंत्रालय की तरफ़ से ऑफिशियल प्रमोशनल रिलीज़ शामिल हैं, जिनमें डायनामिक वीडियो कंटेंट होता है, जैसे 2026 का कैंपेन जिसकी थीम है, ÷इंडियन एयर फ़ोर्स÷ अचूक, अभेद्य और सटीक।2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में %ऑपरेशन सिंदूर% जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है।भारतीय वायु सेना 250 से ज़्यादा एसयू-30एम के आई एयर-डोमिनेंस फाइटर जेट्स का संचालन करती है। इन्हें एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार और अस्त्र मार्क2 मिसाइलों के साथ %सुपर सुखोई% मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। राफेल 4.5-जेनरेशन फाइटर जेट्स, जो मीटियोर और स्कैल्प मिसाइलों और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस हैं, ऑपरेशन सिंदूर में बहुत असरदार साबित हुए। जल्द ही राफेल का एक नया वेरिएंट आने की उम्मीद है। तेजस मार्क-1, अपग्रेडेड मिग-29यूपीजी, मिराज-2000 और जगुआर फाइटर जेट्स जैसे अन्य प्लेटफॉर्म भी अलग-अलग तरह की ऑपरेशनल क्षमताएं प्रदान करते हैं। लेह (10,700 फीट की ऊंचाई) से लेकर कार की क्षमता इसे क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना बनाती है।

विचार

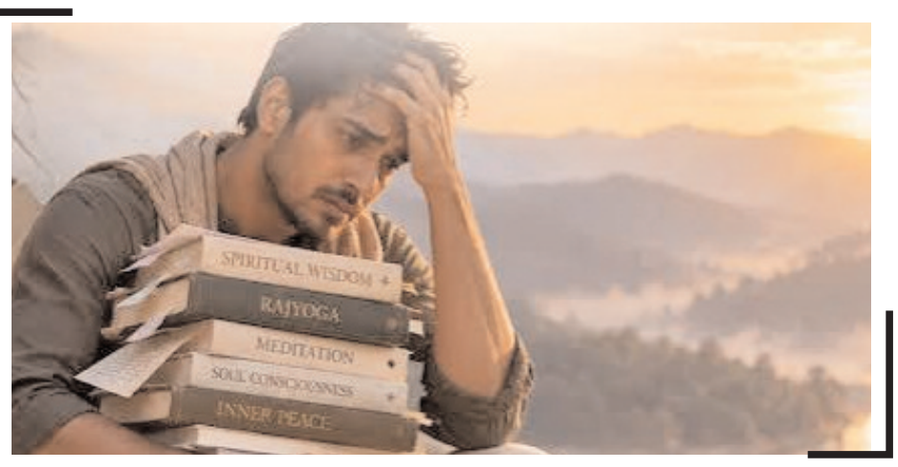
समय जिया, या जीवन?

अनिल सोनम

लेखक

सुबह से रात तक भागते-भागते हममें से अधिकांश लोग जब बिस्तर पर पहुंचते हैं, तो सोचते हैं कि आज बहुत काम किया। लेकिन क्या सचमुच बहुत काम किया, या केवल बहुत व्यस्त रहे? इन दोनों बातों में उतना ही अंतर है जितना यात्रा और भटकाव में। दोनों में चलना तो होता है, लेकिन एक हमें मंजिल तक पहुंचाता है और दूसरा केवल थका देता है। आज का मनुष्य पहले से कहीं अधिक व्यस्त है। उसके पास पहले से अधिक साधन हैं, पहले से अधिक अवसर हैं, पहले से अधिक गति है। फिर भी उसके भीतर यह शिकायत लगातार सुनाई देती है कि समय नहीं मिलता। समस्या समय की नहीं है। समस्या यह है कि हमने समय को यूं ही भरना शुरू कर दिया है, लेकिन जीवन को भरना नहीं सीखा। व्यस्तता समय भरती है, सार्थकता जीवन भरती है। अंतत- प्रश्न यह नहीं रहेगा कि हम कितने वर्ष जी लिए, प्रश्न यह रहेगा कि उन वर्षों में हमने वास्तव में कितना जीवन जिया। जिससे पूछें वही कहता है कि मैं बहुत व्यस्त हूं, व्यस्त होना मानो सफलता का प्रमाणपत्र बन गया है। यदि कोई व्यक्ति कह दे कि उसके पास सोचने का समय है, परिवार के साथ बैठने का समय है, पढने का समय है या चुपचाप बैठने का समय है, तो लोग उसे कम महत्वाकांक्षी समझ लेते हैं। हमने व्यस्तता को उपलब्धि का पर्याय बना दिया है।

अधिकांश लोग अपना दिन उन कामों में निकाल देते हैं जो तत्काल ध्यान मांगते हैं- फोन, संदेश, ई-मेल, छोटी-छोटी समस्याएं, अचानक आई मांगें। लेकिन जो काम वास्तव में जीवन बदल सकते हैं, जैसे सीखना, स्वास्थ्य पर ध्यान देना, परिवार के साथ समय बिताना, भविष्य की योजना बनाना, किसी बड़े लक्ष्य पर निरंतर काम करना- वे अक्सर 'कल' के लिए टलते रहते हैं। धीरे-धीरे पूरा जीवन तात्कालिक कामों की आग बुझाने में निकल जाता है और महत्वपूर्ण काम अधूरे रह जाते हैं। बाहर से देखने पर हम अत्यंत व्यस्त दिखाई देते हैं, लेकिन असल में हम अस्त-व्यस्त होते हैं। पारेटो सिद्धांत या 80/20 का सिद्धांत भी इसे समझने में हमारी सहायता करता हैज्सुबह से रात तक भागते-भागते हममें से अधिकांश लोग जब बिस्तर पर पहुंचते हैं, तो सोचते हैं कि आज बहुत काम किया। लेकिन क्या सचमुच बहुत काम किया, या केवल बहुत व्यस्त रहे? इन दोनों बातों में उतना ही अंतर है जितना यात्रा और भटकाव में। दोनों में चलना तो होता है, लेकिन एक हमें मंजिल तक पहुंचाता है और दूसरा केवल थका देता है। आज का मनुष्य पहले से कहीं अधिक व्यस्त है। उसके पास पहले से अधिक साधन हैं, पहले से अधिक अवसर हैं, पहले से अधिक गति है। फिर भी उसके भीतर यह शिकायत लगातार सुनाई देती है कि समय नहीं मिलता। समस्या समय की नहीं है। समस्या यह है कि हमने समय को यूं ही भरना शुरू कर दिया है, लेकिन जीवन को भरना नहीं सीखा। व्यस्तता समय भरती है, सार्थकता जीवन भरती है। अंततः प्रश्न यह नहीं रहेगा कि हम कितने वर्ष जी लिए, प्रश्न यह रहेगा कि उन वर्षों में हमने वास्तव में कितना जीवन जिया। जिससे पूछें वही कहता है कि मैं बहुत व्यस्त हूं, व्यस्त होना मानो सफलता का प्रमाणपत्र बन गया है। यदि कोई व्यक्ति कह दे कि उसके पास सोचने का समय है, परिवार के साथ बैठने का समय है, पढने का समय है या चुपचाप बैठने का समय है, तो लोग उसे कम महत्वाकांक्षी समझ लेते हैं। हमने व्यस्तता को उपलब्धि का पर्याय बना दिया है। लेकिन जरा ठहरकर पूछें कि क्या हर भागता हुआ व्यक्ति सही दिशा में भी जा रहा है? यदि कोई पूरी गति से गलत दिशा में दौड़ रहा हो, तो उसकी गति उसे मंजिल के निकट नहीं, उससे और दूर ले जाएगी। इसलिए जीवन में गति से पहले दिशा का होना आवश्यक है। प्रसिद्ध विचारक स्टीफन कोवी ने आधुनिक प्रबंधन का



एक महत्वपूर्ण सिद्धांत दिया है कि जीवन की सबसे बड़ी चुनौती केवल समय का प्रबंधन नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण और तात्कालिक आवश्यक कार्यों के बीच अंतर समझना है।

अधिकांश लोग अपना दिन उन कामों में निकाल देते हैं जो तत्काल ध्यान मांगते हैं- फोन, संदेश, ई-मेल, छोटी-छोटी समस्याएं, अचानक आई मांगें। लेकिन जो काम वास्तव में जीवन बदल सकते हैं, जैसे सीखना, स्वास्थ्य पर ध्यान देना, परिवार के साथ समय बिताना, भविष्य की योजना बनाना, किसी बड़े लक्ष्य पर निरंतर काम करना- वे अक्सर 'कल' के लिए टलते रहते हैं। धीरे-धीरे पूरा जीवन तात्कालिक कामों की आग बुझाने में निकल जाता है और महत्वपूर्ण काम अधूरे रह जाते हैं। बाहर से देखने पर हम अत्यंत व्यस्त दिखाई देते हैं, लेकिन असल में हम अस्त-व्यस्त होते हैं। पारेटो सिद्धांत या 80/20 का सिद्धांत भी इसे समझने में हमारी सहायता करता है। इसका सार यह है कि हमारे जीवन के लगभग बीस प्रतिशत कार्य ही अस्सी प्रतिशत परिणाम उत्पन्न करते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि हम अपना अधिकांश समय उन अस्सी प्रतिशत कार्यों में लगा देते हैं जिनका वास्तविक प्रभाव लगभग बीस प्रतिशत होता है। दिन भर छोटे-छोटे काम निपटते रहते हैं, लेकिन जीवन वहीं का वहीं खड़ा रहता है, क्योंकि हमने काम तो बहुत किए, लेकिन वे काम हमारे जीवन की दिशा से जुड़े ही नहीं थे। आज तकनीक ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। पहले हमारा ध्यान कुछ ही चीजों में बंटता था, अब हर कुछ मिनट में कोई न कोई स्क्रीन, संदेश या सूचना हमें पुकारती रहती है। दिन भर ऐसा लगता है कि हम लगातार काम कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह होती है कि हमारा ध्यान दर्जनों टुकड़ों में बंटा रहता है और गहरे चिंतन वाले कार्य, रचनात्मक सोच और एकाग्र प्रयास के लिए समय ही नहीं बचता। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर और प्रसिद्ध अमरीकी लेखक कैल न्यूपोर्ट ने इसे डीप वर्क, यानी गहन एकाग्रता से किया जाने वाला कार्य बताते हुए कहा है कि वास्तविक उपलब्धियां उसी समय जन्म लेती हैं जब हम बिना व्यवधान के किसी महत्वपूर्ण कार्य पर गहराई से ध्यान लगा पाते हैं। यदि हमारा ध्यान हर पांच मिनट में टूटता रहेगा, तो हमारी व्यस्तता तो बढ़ेगी, लेकिन हमारी सार्थक उत्पादकता नहीं। एक प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है कि क्या हमने अपने जीवन का कोई लक्ष्य तय किया भी है?यदि लक्ष्य ही स्पष्ट नहीं है, तो व्यस्तता का मूल्यांकन कैसे होगा? जिस व्यक्ति को अपनी मंजिल ही नहीं मालूम, उसके लिए हर रास्ता सही लगता है। वह हर अवसर को पकडना चाहता है, हर निमंत्रण स्वीकार करना चाहता है, हर काम अपने हाथ में लेना चाहता है। परिणाम यह होता है कि वह बहुत कुछ करता है, लेकिन बहुत कम रचता है। घड़ी उसे समय तो बता देती है, पर दिशा नहीं।

विचार

महंगाई में पिसेगी ईएमआई

धीरेंद्र राय,

लेखक

साढ़े तीन साल बाद रिजर्व बैंक ने रेपो रेट बढ़ा दिया। महंगे होते कच्चे तेल और भड़कती महंगाई पर काबू पाने के लिए उठाया गया यह कदम भले ही ईएमआई और सरकार के हिसाब-किताब को दुरुस्त कर दे, लेकिन होम लोन की बढ़ती ईएमआई और रोजमर्रा के बढ़ते खर्चों के बीच सबसे ज्यादा पिसना आम मध्यमवर्गीय परिवार को ही है।कनीकी रूप से बताया जाए तो रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर रिजर्व बैंक देश के कमर्शियल बैंकों को उनके दैनिक कामकाज के लिए कर्ज देता है। देखने-सुनने में यह भले दो बैंकों के बीच की बात लगे, लेकिन जैसे ही रेप रेप बढ़ने की खबर आती है, आम आदमी की जेब पर इसका असर बेहद पेंचीदा और खर्चीला हो जाता है। साढ़े तीन साल बाद ऋ्ह्लू ने रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की है। इसके पीछे तर्क ये दिया गया है कि ईरान वॉर के कारण देश में बढ़ती महंगाई को 6 फीसदी के भीतर रोके रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। रिजर्व बैंक की दलील और उसके सामने के हालात अपनी जगह है, लेकिन आपकी और हमारी रसोई तक पहुंचने वाला यह एक बड़ा झटका भी है। बैंक को मिलने वाला महंगा कर्ज घूम-फिरकर आखिरकार आम इंसान की श्ह्लू,



मकान के सपने और महीने के बजट पर ही भारी पड़ता है।

रेपो रेट बढ़ने की पूरी कहानी को समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना होगा। 2020 में जब कोविड महामारी की वजह से सब कुछ बंद पड़ गया था, तब बाजार में पैसे का बहाव बनाए रखने के लिए रिजर्व बैंक ने ब्याज दरें घटा दी थीं, ताकि लोग आसानी से लोन ले सकें और ठप पड़ी अर्थव्यवस्था में थोड़ी जान आए। लेकिन महामारी का दौर ढलते ही दुनिया में एक के बाद एक नए संकट शुरू हो गए।

पहले रूस-यूक्रेन का झगड़ा और अब ईरान-अमेरिका के बीच जारी जंग ने कच्चे तेल से लेकर दुनिया भर के बाजारों में आग लगा दी है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल बाहर से मंगवाता है। जब दुनिया में तेल महंगा होता है, तो देश के भीतर माल ढुलाई महंगी हो जाती है, जिससे बाजार में हर चीज का भाव चढ़ जाता है। इस वैश्विक उथल-पुथल ने भारत में महंगाई को इस कदर भड़का दिया कि रिजर्व बैंक को साढ़े तीन साल बाद दरों में 0।25 प्रतिशत की बढ़ोतरी का फैसला लेना ही पड़ा।रिजर्व बैंक की अपनी एक तय जिम्मेदारी है- बाजार में घूम रहे पैसे को इस तरह संभालना कि कीमतें काबू से बाहर न जाएं। जब बाजार में महंगाई का ग्राफ ऊपर भागने लगता है, तो रिजर्व बैंक का मानना होता है कि लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसा थोड़ा कम किया जाए। ताकि डिमांड घटे और कीमतें स्थिर हों।

अर्थशास्त्री इस पहलू पर सहमति देते हुए समझाते हैं कि जब महंगाई लंबी खिंच जाती है, तो वह आम परिवार की पूरी बचत को निगल जाती है। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट बढ़ाकर एक तरह से ब्रेक लगाने की कोशिश की है। उसके लिए प्राथमिकता विकास की रफ्तार से ज्यादा इस बात की है कि रोजमर्रा के सामान इतने महंगे न हो जाएं कि आम इंसान की खरीदने की ताकत ही खत्म हो जाए।

मोदी सरकार का नजरिया- भले राजनीतिक जोखिम हो, अर्थव्यवस्था का संतुलन जरूरी

मोदी सरकार के लिए रिजर्व बैंक का यह फैसला एक कड़वी दवा जैसा है। एक तरफ सरकार चाहती है कि देश में नए उद्योग लगें, लोग कारोबार शुरू करें और युवाओं को नौकरियां मिलें, जिसके लिए सस्ते लोन की जरूरत होती है। कर्ज महंगा होने से व्यापार की रफ्तार धीमी पड़ने का डर रहता है। इतना ही नहीं, सरकार यह अच्छी तरह जानती है कि रेपो रेट बढ़ने से जब श्ह्लू बढ़ेगी, तो भी लोग सरकार को ही कोसेंगे।

लेकिन दूसरी तरफ, सरकार यह भी अच्छी तरह जानती है कि आम इंसान के लिए महंगाई से बड़ा कोई दर्द नहीं होता। अगर राशन, तेल और सब्जियों के दाम लगातार बढ़ते रहे, तो जनता का गुस्सा सीधे सरकार पर ही फूटता है। इसलिए सरकार के नजरिये से यह कदम भले ही थोड़े समय के लिए अप्रिय हो, लेकिन देश की आर्थिक साख बचाए रखने और रुपये को टूटने से रोकने के लिए यह कदम उठाना उसकी भी एक राजनीतिक मजबूरी बन गया है।मध्यमवर्गीय और कामकाजी परिवारों के लिए इस फैसले का मतलब है हर महीने का गणित गड़बड़ा जाना। जब रिजर्व बैंक से बैंकों को महंगा कर्ज मिलेगा, तो बैंक बिना देर किए इसका बोझ अपने ग्राहकों पर डाल देंगे। इसका सबसे बड़ा थप्पड़ उन लोगों को लगेगा जिन्होंने होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन ले रखा है।

गर्म होते मौसम में फैशन भी हॉट हो रहा है और इसी के साथ कैंपस में फैशन के अंदाज भी बदलते जा रहे हैं। ऑफ शोल्डर, बेयर बैक, स्ट्रेपलेस, शॉर्ट्स, हॉट पैंट्स वगैरह के साथ कैंपस की अदाएं खासी स्टाइलिश होती जा रही हैं। आइए, जानते हैं कैंपस के हॉट फैशन के बारे में।

हॉट मौसम का फैशन



गर्मियों के मौसम में ज्यादातर कॉलेजों में इग्जाम होता रहता है या फिर इसकी तैयारी जोर-शोर से होती रहती है, लेकिन फैशन का अंदाज होता है निराला। वह हर समय कुछ खास अंदाज में दिखना चाहता है। कैंपस की कुड़िया ऐसे किसी भी मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहती। कैंपस में इस समय फैशन ने पूरे जोश के साथ फिलहाल दस्तक नहीं दी है, लेकिन इसकी सुगबुगाहट दिखाई पड़ने लगी है। शॉर्ट स्कर्ट्स, जंप सूट्स, मलमल कुर्तियां, मैक्सी ड्रेस वगैरह तो बहुत कॉमन हैं। इनके अलावा ऑफ शोल्डर, स्ट्रेपलेस और डीप नेक्स भी खूब नजर आ रहे हैं। खासतौर पर चंकी जूलरी के साथ इन्हें ट्राई किया जा रहा है। यानी समर्स में कैंपस की डिमांड कंफर्टेबल ड्रेसेस के साथ स्टाइलिश लुक और ट्रेंडी दिखने की भी है। वैसे, दम मारो दम के ट्रेलर देखने के बाद यंगस्टर्स में हिप्पी स्टाइल और बोहो लुक दोबारा पॉपुलर हो रहे हैं।

अनेक हैं वैरायटी

गर्ल्स वैसे तो काफी-कुछ पसंद कर रही हैं, लेकिन सीजन को देखते हुए शॉर्ट स्कर्ट्स, लॉन्ग स्कर्ट्स, एंकल लेंथ मिडी, हॉल्टर नेक ड्रेस, प्रॉम्प ड्रेस, वाइड ट्राउजर वगैरह सभी कैंपस फैशन का हिस्सा हैं। कॉटन कुर्तियां भी गर्ल्स को खूब लुभा रही हैं। इनमें मलमल फैब्रिक लखनवी एम्ब्रॉयडरी व कांथा वर्क खूब पसंद किए जा रहे हैं। इन्हें जींस या हाफ लेगिंग के साथ पहनकर एक अच्छा स्टाइल स्टेटमेंट बनाया जा सकता है। वैसे इस समय शॉर्ट्स का डिमांड अधिक है।

फैब्रिक व पैटर्न

समर ड्रेसेस में कॉटन, शिफॉन व पॉपलिन जैसे फैब्रिक ही ज्यादा पसंद किए जाते हैं, क्योंकि ये कंफर्टेबल होने के साथ कूल लुक देते हैं। प्रिंट्स में जहां फ्लोरल व डॉट्स का ट्रेंड बरकरार है, वहीं स्ट्राइप्स भी कुछ अलग हैं। इस सीजन में प्रॉम्प ड्रेसेस भी काफी पसंद की जा रही हैं। मौका चाहे फॉर्मल हो या इनफॉर्मल मैक्सी सनड्रेसेस की तो बात ही निराली है। यह काफी स्टाइलिश लगती है। प्लेन बेस पर ब्लैक कलर प्रिंट या एम्ब्रॉयडरी के जरिए छाया हुआ है।

कलर कॉन्सेप्ट

कलर्स की बात करें, तो कैजुअल व सोबर शेड्स ट्रेंड में हैं। यदि डार्क कलर्स कैरी किए जा रहे हैं, तो वह लाइट व कैजुअल टोन में हैं। ब्लू, टरक्वॉइश, वाइट, ग्रे, पिंक, येलो, स्काई, लेमन, ऐश व ब्राउन व लेवेंडर कलर्स काफी पसंद किए जा रहे हैं। बेज, पर्पल और ऑरेंज के शेड्स भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। फैशन डिजाइनर रवि कुमार के अनुसार ऐसिड ग्रीन, ब्लू, स्काई ब्लू, ब्लैक ऑन आइवरी कलर व टरक्वॉइश कलर्स इस सीजन में अधिक पसंद किए जा रहे हैं।



कॉकटेल का प्रयोग

अगर आप कॉलेज या किसी पार्टी में जा रही हैं, तो कुछ डिफरेंट होना ही चाहिए। जिससे लोगों की निगाहें केवल आप को ही ढूढ़ें। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने ड्रेस में कॉकटेल का प्रयोग करें। राउंड वेस्ट, स्पैगेटी स्टाइल या हॉल्टर नेक स्टाइल ड्रेस ट्राई कर सकती हैं। ये आपकी पर्सनैलिटी को कॉम्प्लिमेंट देती है, जबकि लियोपर्ड रफल कुछ हटकर लुक देता है। इनमें बरगंडी व पर्पल जैसे कलर्स बेहतर रहते हैं। थोड़ा एथनिक फ्लेवर चाहिए तो बाटिक या ब्लॉक प्रिंट्स बढ़िया रहते हैं। बोल्ड लुक के लिए डीप नेक या बेयर बैक ट्राई कर सकती हैं। यह आप को खास ग्लैमरस लुक देता है।

बोल्ड लुक के लिए

अगर आप चाहती हैं कि आपका लुक सबसे जुदा हो और बोल्ड भी दिखें तो शिमरिंग हाई-थाइज ड्रेस ट्राई करें। बेयर बैक भी कुछ डिफरेंट रहेगी। वैसे लाइट क्रीम कलर किसी कॉक टेल पार्टी के लिए सबसे बेस्ट ऑप्शंस रहता है। वैसे पार्टियों में स्लीवलेस आप के लुक को ग्लैमरस बना देता है। स्लीवलेस जितना दिखने में हॉट होता है, उतना ही पहनने में कूल-कूल का अहसास कराता है।

रंग-बिरंगी हैट

गर्मी से बचने के लिए बाजार में हैट की भरमार है। हर एक रेंज में उपलब्ध हैट केवल गर्मी से हमें कूल-कूल अहसास ही नहीं कराते, बल्कि स्टाइलिश भी बनाते हैं। इस गर्मी में आप रितिक हैट, ब्रॉड रीम हैट, कैन हैट, पी हैट, गोल्फ हैट, स्ट्रॉ हैट वगैरह में ढेरों वैरायटी ले सकते हैं। यही नहीं युवाओं के बीच बांग्लादेशी हैट भी बेहद पॉपुलर हैं और इनकी फिटिंग सबसे अच्छी होती है। डेनिम या शिकागो बुल्स कैप में भी काफी वैरायटी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद के रंग, डिजाइन और फैब्रिक के मुताबिक ले सकते हैं। यह कैप फिल्म स्टार से लेकर खिलाड़ियों के बीच खूब पसंद की जाती है। डेनिम फैब्रिक से तैयार की गई बकेट कैप का डिमांड गर्ल्स के बीच अधिक रहता है। बेसबॉल कैप राउंड कैप है और यह गोल चेहरे पर खूब फबती है।

...और मोड़ देंगी समाज का रुख





समाज में निरंतर एक बदलाव की बयार चलती रहती है। इस सामाजिक बदलाव की मुहिम में कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं, जिनके साथ-साथ आज समाज का बहुत बड़ा तबका कदम मिला कर चल रहा है। दूसरी तरफ ऐसी महिलाएं भी समाज में काम कर रही हैं, जिनके पास साथ चलने वाला कारवां तो नहीं है, पर उन्होंने अपने दम पर हवा का भी रुख बदल कर अपने अनुकूल कर लिया है। ऐसे में आज इनसे ही समाज, परिवर्तन की एक आस बांधे हुए है।

हम में है दम : इस बात में कोई दोराय नहीं है कि इस महिला-प्रधान देश में भी महिलाओं के साथ बहुत ज्यादतियां हुई हैं। आजादी के छह दशक बाद भी महिलाओं की कई हसरतें अधूरी हैं, लेकिन इसे महिलाओं की उम्मीद कहें या उनका जज्बा, जिसकी वजह से आज उन्होंने अपना एक अलग ही कारवां बना डाला है। हालांकि कागजी तौर पर इनके लिए बड़ी-बड़ी बातें होती हैं। इन महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष रखा गया है, पर सामाजिक और मानसिक धरातल पर यह बात हवा-हवाई ही लगती है। लेकिन इन महिलाओं ने जमाने के आगे हार नहीं मानी और आज ये देश के बार्डर से लेकर आसमान पर छाई हुई हैं।

- **दुर्भाग्य है इस समाज का :** इसे देश का दुर्भाग्य ही कहेंगे कि आज हमारे देश की राजधानी में भी महिलाओं के साथ हिंसा, बलात्कार जैसे मामले आम तौर पर होते रहते हैं। ऐसे में देश के सुदूर क्षेत्रों के बारे में क्या कहा जा सकता है। दिल्ली में 2006 में बलात्कार के 623, 2005 में 658 व 2004 में 551 मामले दर्ज किए गए।' ये 'दर्ज किए गए' मामले हैं। जबकि इस तथ्य से हर कोई वाकिफ है कि बड़ी संख्या में बलात्कार और ज्यादतियों के मामले दर्ज ही नहीं होते हैं या नहीं करवाये जाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की राजधानी में महिलाओं का यह हाल है। यह अपने आप में एक शर्म की बात है।
- **एक आस :** राह कैसी भी हो इन महिलाओं ने अपने दम से अपनी जगह बनाई है और आज देश के कई फिल्ड में इनका वर्चस्व कायम है। कहीं-कहीं तो कुछ महिलाओं ने वाकई ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिससे अंजाम सुखद होता मालूम पड़ता है। सामाजिक बदलाव की मुहिम में कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं, जिनके साथ चलने वाली एक फौज तैयार हो चुकी है। दूसरी तरफ ऐसी महिलाएं भी समाज में काम कर रही हैं, जिनके पास साथ चलने वाला कारवां तो नहीं है, पर इनमें हवा का रुख बदल देने का जज्बा जरूर है। इससे परिवर्तन की आस बंधी है।
- **इन्होंने समझा जिम्मेदारी को :** भारत विविधताओं का देश है। यहां विविधता में समानता वाला पक्ष भी हमेशा से बरकरार रहा है। महिलाओं के मामले में भी देश के अलग-अलग हिस्सों में कमोबेश यही बात देखने को मिलती है। यदि हम बात करें दशकों से आतंकवाद की मार झेल रही कश्मीर की महिलाओं की, तो कश्मीर में फैली हिंसा की वजह से कई महिलाएं विधवा के रूप में जीवन गुजारने को अभिशप्त हैं। यहां ऐसी काफी विधवाएं हैं, जिनके दो-तीन बच्चे हैं। इस वजह से परिवार चलाने की पूरी जिम्मेदारी भी इन विधवाओं पर ही है। इनकी राह में रोड़े भी बहुत हैं। घाटी के बदले माहौल में महिलाएं मुखर हो रही हैं। आज ये अपना हक समझ चुकी हैं। शायद, इसी का एक रूप रुखसाना कौशर भी है।
- **महिला शक्ति को सलाम :** पुरुष प्रधान समाज में कुछ ऐसे काम भी हैं, जिन पर पुरुषों का एकाधिकार रहा है। इन्हीं में से है गाड़ियों की मरम्मत का काम। पर रत्नाबेन की कहानी अलग है। यह सुरेंद्रनगर; सौराष्ट्र जिले के चामराज गांव की रहने वाली हैं। यह महिला दोपहिया वाहन के मरम्मत का काम करती है। साठ वर्षीय रत्नाबेन ने यह काम अपने पति हरिभाई से सीखा है। दरअसल, जब हरीभाई बीमारी की वजह से काम करने में असमर्थ हो चले तो घर चलाने की जिम्मेदारी रत्नाबेन ने संभाली।

बचें नकारात्मक भावनाओं से



कई बार देखने में आता है कि आपमें तमाम खूबियां होने के बावजूद भी जाने-अनजाने में आपमें कुछ ऐसे अवगुण आ जाते हैं, जो आपके व्यक्तित्व में दाग लगा देते हैं। इन्ही में से एक है नकारात्मकता का आपके अंदर समावेश। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि इससे आप कैसे दूर रह सकती हैं।

परख लें अपनी दिनचर्या

यदि आप आकर्षक व्यक्तित्व वाली महिला बनना चाहती हैं तो आपके लिए यह जरूरी होता है कि उसके आचार-व्यवहार में कहीं भी कोई नकारात्मक भावना न हो, क्योंकि इससे न केवल आपका व्यक्तित्व ही खराब होता है, बल्कि घर-परिवार, ऑफिस आदि में भी आपकी इमेज खराब होने लगती है। समाज में अपनी अच्छी छवि बनाए रखने के लिए आपको अभी से अपने व्यक्तित्व का विश्लेषण कर लेना चाहिए। इसके लिए कभी भी जब आपको समय मिले तो आप दिनभर में किए गए कार्यों और व्यवहारों पर एक बार जरूर विश्लेषण करें। इन पर करें विचार: क्या आपको किसी काम को करने में संकोच महसूस होता है या अच्छे लोगों की अच्छी बातों से दूर रहने की कोशिश करती हैं। केवल सुनी-सुनाई बातों में आकर बेकार में किसी पर शक करती हैं या आपको लगता है आपका भाग्य साथ नहीं देता। आप जो भी ठानती हैं या वादा करती हैं, वह पूरा नहीं हो पाता या अपने ही ऊपर अक्सर गुस्सा आता है। आपको अक्सर डरावने सपने दिखाई देते हैं या अपने घर-परिवार या सहकर्मियों के साथ छोटी-छोटी बातों पर भी झगड़ा होता है या अपनी गलतियों के लिए दूसरों को दोष देती हैं। इन प्रश्नों पर यदि आप विचार करें तो आपके व्यक्तित्व में स्वत: ही निखार आना शुरू हो जाएगा।

मॉम रखें ख्याल

बच्चों के सबसे करीब मां होती हैं, इसलिए खान-पान को लेकर सबसे बड़ी जिम्मेदारी उन्ही की है, लेकिन भले ही उनको यह बात नागवार गुजरे, पर जंकफूड से बच्चों की बुद्धि क्षमता कम जरूर होती है। जिससे खाद्य पदार्थों के सेवन के अलावा कुछ अन्य पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। ब्रिटेन में हुए शोध के आधार पर यह बात सच हो हुई है।

आईक्यू की दर में आई कमी : ब्रिटेन में 4000 बच्चों पर हुए एक शोध में पाया गया कि चार वर्ष से कम उम्र के वे बच्चे जो परिष्कृत खाद्य पदार्थ, वसा और शर्करा का सेवन करते हैं, उनके मस्तिष्क की क्षमता साढ़े आठ वर्ष की उम्र में पहुंचने पर कम हो गई। बच्चों की आईक्यू में 1.67 की दर से गिरावट उनके द्वारा सेवन किए गए परिष्कृत वसा से बुद्धि क्षमता के चार्ट को प्रतिबिंबित करेगा। इस क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती मसलन, चार और सात वर्ष की आयु के बच्चों का खानपान उनके आईक्यू के स्तर पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा। विकास में सहायक अच्छा खान-पान: ब्रिटेन के ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा कई वर्षों में किए गए अध्ययन में तीन, चार, सात और साढ़े आठ वर्ष के बच्चों के खानपान पर निगरानी रखी गई। शोध के दौरान बताया कि ब्रिटिश बच्चों की खानपान की आदत काफी खराब है, ये बाल्यावस्था में अधिक मात्रा में परिष्कृत, वसायुक्त और शर्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं जो कि साढ़े आठ वर्ष की आयु में कम आईक्यू का कारण हो सकता है। बाल्यावस्था में अच्छा खान पान दिमाग के विकास में सहायक होता है। संतुलित आहार आईक्यू के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

न्यूज इन शॉर्ट

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए आयोजित हुई एक दिवसीय जागरूकता

धमतरी। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में 5 नवम्बर को एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला में एम.एस.एम.ई. (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार) विकास कार्यालय रायपुर से सहायक निदेशक श्री दामोदर बेहरा द्वारा पंजीकृत विश्वकर्मा लाभार्थियों को उद्यमिता विकास, प्राईजिंग स्ट्रेटिजीस, मार्केट ट्रेंड, उत्पाद पैकेजिंग व लेबलिंग, डिजाईनिंग, ई-कॉमर्स में ऑनबोर्डिंग व उत्पाद का विक्रय व उसकी महत्ता, उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल व उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग इत्यादि विषयों पर अपनी सारगर्भिक उद्बोधन एवं कर्मियों के जिज्ञासाओं और प्रश्नों का प्रभावपूर्ण और सरल शब्दों में समाधान किए तथा मार्गदर्शन दिए।

कार्यशाला में जिले के जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र धमतरी से प्रबंधक श्रीमती प्रचेता किरण द्वारा उद्यमिता विकास, ई-कॉमर्स में ऑनबोर्डिंग व उत्पाद का विक्रय और उसकी महत्ता, उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल व उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग इत्यादि विषयों पर जानकारी प्रस्तुत किए। जिले के कैनरा बैंक धमतरी के प्रबंधक श्री अतुल बंसल एवं सीएम फैलोशिप के श्री प्रियांश पांडे द्वारा वित्तीय व डिजीटल साक्षरता, एआई सपोर्ट के संबंध में अपने विचार रखे। कार्यशाला में पंजीकृत प्रधनमंत्री विश्वकर्मा लाभार्थी जो विभिन्न कोर्स जैसे दर्जी, कुम्हार, बढ़ई, राजमिस्त्री, नाई, धोबी आदि में बेसिक प्रशिक्षण पूरा करने वाले लगभग 110 हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यशाला में जिला प्रशासन की ओर से श्री संदीप गोन्नाडे ने हितग्राहियों और अधिकारियों का आभार प्रदर्शन किया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए संस्था एवं पाठ्यक्रम बदलने का अवसर, 30 नवंबर तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

धमतरी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को संस्था और पाठ्यक्रम परिवर्तन का अवसर दिया गया है। इसके लिए विद्यार्थी 30 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

आदिवासी विकास विभाग, धमतरी से जारी सूचना के अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासी ऐसे विद्यार्थी, जो शासकीय अथवा अशासकीय आईटीआई, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत हैं और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। यदि किसी विद्यार्थी को संस्था अथवा पाठ्यक्रम बदलने की आवश्यकता है, तो वह विद्यार्थी लॉगिन के माध्यम से संस्था एवं पाठ्यक्रम परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। इसके लिए आवेदन की सुविधा 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध कराई गई है।

विष्णु की पाती से मिला स्नेह और सम्मान,खिल उठे सास-बहू के चेहरे

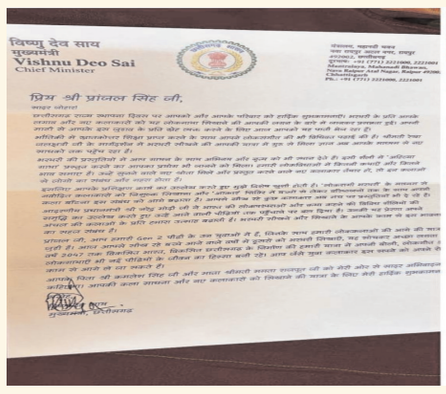
कोरबा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कोरबा जिले के रामपुर निवासी महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती बहुरा कौशिक एवं उनकी बहू श्रीमती सविता कौशिक को 'विष्णु की पाती' लिखकर आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री ने उन्हें एवं उनके परिवार के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री की इस पहल से परिवार की दो पीढ़ियों की महिलाओं को आत्मीयता, स्नेह और सम्मान का संदेश मिला है।मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर श्रीमती बहुरा कौशिक एवं श्रीमती सविता कौशिक और उनके पूरे परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने परिवार के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामनाआर्थिकसहायता के महत्व को रेखांकित किया है।

छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति के संरक्षण में प्रांजल सिंह का योगदान सराहनीय-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

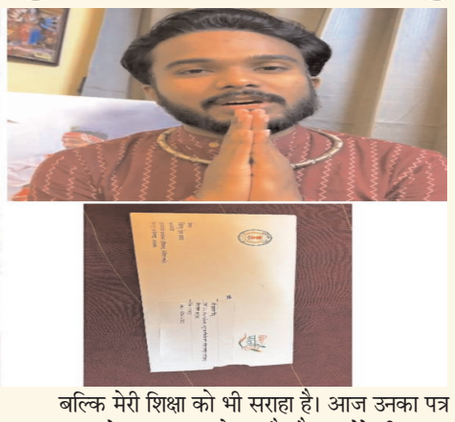
युवा प्रांजल जैसे कलाकार राज्य की लोकसंस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की मजबूत कड़ी-मुख्यमंत्री

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संस्कृति और पारंपरिक विधाओं को सहेजने तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए समर्पित रायपुर के युवा लोककलाकार श्री प्रांजल सिंह राजपूत के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का एक स्नेहिल पत्र असीम प्रेरणा और खुशियों की सौगात लेकर आया है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रांजल की कला साधना, शिक्षा और भरथरी लोकगायन के संरक्षण-संवर्धन के प्रयासों की सराहना किए जाने के बाद से युवा कलाकार बेहद गदगद और भावुक हैं।



मुख्यमंत्री की पाती पाकर भावुक हुए प्रांजल



मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर अपनी खुशी साझा करते हुए प्रांजल सिंह ने कहा, ÷मुख्यमंत्री जी की पाती मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद भावुक और गौरव का क्षण है। उन्होंने न केवल मेरी कला को बल्कि मेरी शिक्षा को भी सराहा है। आज उनका पत्र पाकर मेरा मन गदगद हो गया है और यह मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय पल है। मुख्यमंत्री जी का यह स्नेह और प्रोत्साहन मुझे छत्तीसगढ़ी लोककला को और अधिक समर्पित भाव से आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।÷

मुख्यमंत्री के पत्र में लोककला साधना की सराहना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में प्रांजल सिंह की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उल्लेख किया है कि उन्होंने भौतिकी शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद लोकसंगीत की विभिन्न विधाओं को जीवंत रखा है। श्रीमती रेखा जलक्षत्री के मार्गदर्शन में भरथरी सीखने की उनकी यह कला यात्रा अब अन्य नवोदित साधकों तक भी पहुंच रही है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष प्रकाश डाला कि प्रांजल अपनी भरथरी प्रस्तुतियों में गायन के साथ-साथ अभिनय और नृत्य को भी बखूबी स्थान देते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने अहिल्या गाथा की शानदार प्रस्तुति के जरिए लोकविधाओं में कई नए और रचनात्मक प्रयोग किए हैं।

लगातार तीसरे साल बस्तर ओलंपिक को लेकर उत्साह, 6 लाख से ज्यादा खिलाड़ी मैदान में उतरने को तैयार



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किए जा रहे बस्तर ओलंपिक को लेकर पूरे बस्तर संभाग में खासा उत्साह है। इस बार छह लाख से अधिक खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेने के लिए अपना पंजीयन कराया है। खास बात यह है कि खेल के मैदान में उतरने के उत्साह में बस्तर की बेटियां और महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। कुल 6 लाख 492 पंजीकृत खिलाड़ियों में 3 लाख 83 हजार 094 महिलाएं और 2 लाख 18 हजार 398 पुरुष हैं।

बस्तर संभाग के सातों जिलों से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी ने आयोजन को व्यापक स्वरूप दिया है। विकासखंड स्तर से शुरू होने वाली इन प्रतियोगिताओं के विजेता जिला और फिर संभाग स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा दिखाएंगे। विकासखंड स्तरीय मुकाबले 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक, जिला स्तरीय 16 नवम्बर से 25 नवम्बर तक और संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 7 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक प्रस्तावित हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने बस्तर ओलंपिक के तीसरे संस्करण में रिकॉर्ड संख्या में पंजीयन के लिए बस्तरवासियों के उत्साह की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इसके पिछले दोनों आयोजनों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। शासन और लोगों के बीच प्रत्यक्ष संबंध मजबूत करने, क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें खिलाड़ी के रूप में तैयार करने लगातार तीसरे वर्ष बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है।

कांकेर में सबसे ज्यादा पंजीयन

बस्तर ओलंपिक के लिए 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक खिलाड़ियों के पंजीयन किए गए हैं। इस दौरान संभाग के सातों जिलों से कुल 6 लाख 492 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों से 1 लाख 63 हजार 696 अधिक है। जिलावार आंकड़ों में कांकेर 1 लाख 23 हजार 216 पंजीयन के साथ सबसे आगे है। बस्तर जिले में 1 लाख 4 हजार 841, कोण्डागांव में 85 हजार 584, सुकमा में 80 हजार 313, दंतेवाड़ा में 80 हजार 175, नारायणपुर में 63 हजार 506 और बीजापुर में 62 हजार 857 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। बस्तर ओलंपिक को लेकर बस्तरवासियों, खासकर महिलाओं और युवाओं में अच्छा उत्साह है।

तीन स्तरों पर खेल कौशल दिखाने का मौका

बस्तर ओलंपिक में विकासखंड स्तर के विजेता जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे, जबकि जिला स्तर के विजेताओं को संभाग स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक जिले से 410 विजेता खिलाड़ी संभाग स्तरीय आयोजन में प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला स्तर पर आयोजित की जाएंगी।

कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मंजूरी पर से मिलकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने जताया आभार

कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाखों शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को मिलेगी बड़ी राहत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा को मंत्रिपरिषद की मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फेडरेशन ने मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की ओर से आयोजित किए जाने वाले अभिनंदन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया।फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक श्री कमल वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कैशलेस



चिकित्सा सुविधा प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों की लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा से विशेष रूप से गंभीर बीमारी और आकस्मिक उपचार की स्थिति में कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी। उपचार के लिए पहले बड़ी राशि की व्यवस्था करने और बाद में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया से गुजरने जैसी कठिनाइयां कम होंगी। इससे लाखों शासकीय सेवकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा मिल सकेगी। फेडरेशन के लिए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री पत्र में बेटियों की शिक्षा और खेलकूद में मिली शानदार सफलताओं का जिक्र

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पत्र में बेटियों की शिक्षा और खेलकूद में मिली शानदार सफलताओं का जिक्र

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही ग्रामीण महिलाओं के जीवन में खुशियों का नया अध्याय जुड़ा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान योजना) से जुड़कर स्व-सहायता समूह के माध्यम से अपनी आजीविका को सशक्त बना रहीं रायपुर अंचल की श्रीमती जयंती तिर्की को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 'विष्णु के पाती' के माध्यम से राज्योत्सव और पर्वों की आत्मीय शुभकामनाएं भेजी हैं।

पत्र में बेटियों की उपलब्धियों का विशेष उल्लेखः मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में न केवल श्रीमती जयंती तिर्की के आत्मनिर्भर बनने की



दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है, बल्कि उनके पूरे परिवार और विशेषकर उनकी दोनों बेटियों की शिक्षा व खेल के क्षेत्र में मिल रही शानदार सफलताओं का भी खुले दिल से जिक्र किया है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में इस बात का विशेष उल्लेख किया कि कैसे जयंती तिर्की की छोटी बेटी ने हाल ही में एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक (व्वसक डमकंस) हासिल कर पूरे जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। एक साधारण पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाले परिवार की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से बधाई देना पूरे परिवार के लिए अप्रत्याशित और अत्यंत हर्ष का विषय बन गया।

परिवार में छाई खुशी, मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

मुख्यमंत्री की पाती पाकर श्रीमती जयंती तिर्की और उनका पूरा परिवार खुशी से गदगद हो उठा। अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती तिर्की ने कहा, अउपलब्धियों को पत्र में याद किया है।

कवर्धा के किसान को मुख्यमंत्री ने भेजा दीपावली का संदेश, सौर ऊर्जा की पहल को सराहा

कवर्धा के किसान को मुख्यमंत्री ने भेजा दीपावली का संदेश, सौर ऊर्जा की पहल को सराहा

मुख्यमंत्री ने किसान ओंकार साहू को भेजी 'विष्णु के पाती'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की ओर से दीपावली पर मिला आत्मीय संदेश छत्तीसगढ़ के कवर्धा निवासी किसान ओंकार साहू के परिवार के लिए खास बन गया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने वाले कवर्धा के रामनगर निवासी ओंकार साहू को मुख्यमंत्री ने 'विष्णु का पाती' भेजकर शुभकामनाएं दी हैं। पत्र में मुख्यमंत्री ने खेती-किसानी के साथ सौर ऊर्जा अपनाने की उनकी पहल की सराहना करते हुए इसे आर्थिक आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।



मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीएम सूर्य घर योजना से सौर ऊर्जा का लाभ परिवारों तक पहुंच रहा है। स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग न केवल आर्थिक बचत करता है, बल्कि आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने में भी सहायक है। उन्होंने ओंकार साहू के परिवार की सुख-समृद्धि और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

'सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल किया शून्य'

खेती-किसानी से जुड़े छत्तीसगढ़ के कवर्धा निवासी ओंकार साहू ने 28 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर में 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया। इसके लिए उन्होंने कुल 1 लाख 90 हजार रुपये खर्च किए, जिसमें उन्हें 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का हर महीने लगभग 1 हजार से 1500 रुपये तक बिजली बिल आता था, लेकिन अब सोलर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं और उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।

'खपत से ज्यादा बिजली बन रही, ग्रिड में भेजकर मिले 9 हजार रुपए'

ओंकार साहू ने बताया कि सोलर पैनल से घर की जरूरत से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है। उपयोग के बाद बची बिजली विद्युत ग्रिड में भेजी जा रही है। इस अतिरिक्त बिजली के बदले अब तक करीब 9 हजार रुपए का आर्थिक लाभ मिल चुका है। यानी अब वे केवल बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ता नहीं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर ग्रिड को देने वाले उत्पादक भी बन गए हैं।

'आर्थिक बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान'

ओंकार साहू का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उनके परिवार के लिए काफी लाभकारी साबित हुई है। पहले करनी पड़ती थी, वहीं अब बिजली बिल शून्य हो गया है।

महतारी वंदन की से सुनीता के बच्चों के सपनों को मिल रहे पंख

विष्णु भैया की पाती मुंगेली के ग्राम लिम्हा की सुनीता बहन को मिली,

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं किस तरह आम महिलाओं और उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं, इसकी एक और सुंदर मिसाल सामने आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम लिम्हा की निवासी श्रीमती सुनीता को एक स्नेहिल पाती लिखकर उन्हें और उनके पूरे परिवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की आत्मीय शुभकामनाएं दी हैं।

बच्चों की शिक्षा को समर्पित सुनीता के प्रयासों की सराहना

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में सुनीता की पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच



बच्चों की पढ़ाई और उनके बेहतर भविष्य के प्रति समर्पण की जमकर प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि घर-गृहस्थी की तमाम जरूरतों को संभालते हुए बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना बेहद प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री को जब यह पढ़ाई से जुड़े अन्य खर्चों को पूरा करने में कर रही हैं।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल